राष्ट्र एवं राज्य के प्रगति पथ पर...

समय दर्शन

रायपुर एवं दुर्ग से प्रकाशित

ESTD : Since 2011

संस्थापक : स्व. श्रीमती निलिमा खड़तकर

निष्पक्ष निर्भीक खबरों के साथ

वर्ष 07, अंक 82 पृष्ठ 8, मूल्य 3.00 रूपये रायपुर, शुक्रवार 16 मई 2025 www.samaydarshan.in

गवर्नर-प्रेसिडेंट के लिए डेडलाइन बनाने पर मुर्मू के 14 सवाल

संविधान में ऐसी व्यवस्था नहीं, फिर सुप्रीम कोर्ट कैसे दे सकता है फैसला

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने प्रेसिडेंट और गवर्नर के लिए डेडलाइन तय करने पर सवाल उठाए हैं। राष्ट्रपति मुर्मू ने पूछा कि संविधान में इस तरह की कोई व्यवस्था ही नहीं है, तो सुप्रीम कोर्ट कैसे राष्ट्रपति-राज्यपाल के लिए बिलों पर मंजूरी की समयसीमा तय करने का फैसला दे सकता है।

मुर्मू ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट से 14 सवाल पूछे हैं। मुर्मू ने राष्ट्रपति और राज्यपाल की शक्तियों, न्यायिक दखल और समय-सीमा तय करने जैसी बातों पर स्पष्टीकरण मांगा है।

ये मामला तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के बीच हुए विवाद से उठा था। जहां गवर्नर से राज्य सरकार के बिल रोककर रखे थे। सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को आदेश दिया कि राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है। इसी फैसले में कहा था कि राज्यपाल की ओर से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सामने आया था।

बिल पर फैसला लेना होगा: सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि अनुच्छेद 201 कहता है कि जब विधानसभा किसी बिल को पास कर दे। उसे राज्यपाल के पास भेजा जाए और राज्यपाल उसे राष्ट्रपति के पास विचार के लिए भेज दे। इस स्थिति में राष्ट्रपति को बिल पर मंजूरी देनी होगी या फिर बताना होगा कि मंजूरी नहीं दे रहे हैं।

ज्यूडिशियल रिव्यू होगा: सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि आर्टिकल 201 के तहत राष्ट्रपति का निर्णय की न्यायिक समीक्षा की जा सकती है। अगर बिल में केंद्र सरकार के निर्णय को प्राथमिकता दी गई हो, तो कोर्ट मनमानी या दुर्भावना के आधार पर बिल की समीक्षा करेगा।

अदालत ने कहा कि बिल में राज्य की कैबिनेट को प्राथमिकता दी गई हो और राज्यपाल ने विधेयक को मंत्रिपरिषद की सहायता और सलाह के विपरीत जाकर फैसला किया हो तो कोर्ट के पास बिल की कानूनी रूप से जांच करने का अधिकार होगा।

राज्य सरकार को राज्यपाल को कारण बताने होंगे: सर्वोच्च न्यायालय ने स्पष्ट किया कि जब कोई समय-सीमा तय हो, तो वाजिब टाइम लाइन के भीतर फैसला करना चाहिए। राष्ट्रपति को बिल मिलने के 3 महीने के भीतर फैसला लेना अनिवार्य होगा। यदि देरी होती है, तो देरी के कारण बताने होंगे।

बिल बार-बार वापस नहीं भेज सकते: अदालत ने कहा कि राष्ट्रपति किसी बिल को राज्य विधानसभा को संशोधन या पुनर्विचार के लिए वापस भेजते हैं। विधानसभा उसे फिर से पास करती है, तो राष्ट्रपति को उस बिल पर फाइनल डिसीजन लेना होगा और बार-बार बिल को लौटाने की प्रक्रिया रोकनी होगी। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ 17 अप्रैल को राज्यसभा इंटर्न के एक ग्रुप को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने सुप्रीम कोर्ट की उस सलाह पर आपत्ति जताई, जिसमें राष्ट्रपति और राज्यपालों को बिलों को मंजूरी देने की समय सीमा तय की थी।

धनखड़ ने कहा था- अदालतें राष्ट्रपति को आदेश नहीं दे सकतीं। संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत कोर्ट को मिला विशेष अधिकार लोकतांत्रिक शक्तियों के खिलाफ 24×7 उपलब्ध न्यूक्लियर मिसाइल बन गया है। जज सुपर पार्लियामेंट की तरह काम कर रहे हैं।÷ पूरी खबर पढ़ें...

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कि जब कार्यपालिका काम नहीं करेगी तो न्यायपालिका को हस्तक्षेप करना ही पड़ेगा। भारत में राष्ट्रपति नाममात्र का मुखिया है। राष्ट्रपति-राज्यपाल को सरकारों की सलाह पर काम करना होता है। मैं उपराष्ट्रपति की बात सुनकर हैरान हूं, दुखी भी हूं। उन्हें किसी पार्टी की तरफदारी करने वाली बात नहीं करनी चाहिए।'

सिब्बल ने 24 जून 1975 को सुप्रीम कोर्ट के एक फैसले का जिक्र करते हुए कहा- 'लोगों को याद होगा जब इंदिरा गांधी के चुनाव को लेकर फैसला आया था, तब केवल एक जज, जस्टिस कृष्ण अय्यर ने फैसला सुनाया था। उस वक्त इंदिरा को सांसदी गंवानी पड़ी थी। तब धनखड़ जी को यह मंजूर था। लेकिन अब सरकार के खिलाफदो जजों की बेंच के फैसले पर सवाल उठाए जा रहे हैं।' पूरी खबर पढ़ें...

सुप्रीम कोर्ट ने 8 अप्रैल को तमिलनाडु गवर्नर और राज्य सरकार के केस में गवर्नर के अधिकार की सीमा तय कर दी थी। जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस आर महादेवन की बेंच ने कहा था, 'राज्यपाल के पास कोई वीटो पावर नहीं है।' सुप्रीम कोर्ट ने सरकार के 10 जरूरी बिलों को राज्यपाल की ओर से रोके जाने को अवैध भी बताया था।

इसी फैसले के दौरान अदालत ने राज्यपालों की ओर से राष्ट्रपति को भेजे गए बिल पर भी स्थिति स्पष्ट की थी। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि राज्यपाल की तरफ से भेजे गए बिल पर राष्ट्रपति को 3 महीने के भीतर फैसला लेना होगा। यह ऑर्डर 11 अप्रैल को सार्वजनिक किया गया।

अब भारतीय हवाई अड्डों पर काम नहीं कर पाएगी तुर्किये की कंपनी सेलेबी, केंद्र ने रद्द की सुरक्षा मंजूरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) ने भारतीय हवाई अड्डे पर तुर्किये की ग्राउंड हैंडलिंग कंपनी सेलेबी की सुरक्षा मंजूरी तत्काल प्रभाव से रद्द कर दी। यह जानकारी एक आधिकारिक आदेश के जरिए दी गई।

विमानन मंत्रालय के आदेश में कहा गया, सेलेबी एयरपोर्ट सर्विसेज इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को ग्राउंड हैंडलिंग की सुरक्षा मंजूरी 21 नवंबर 2022 को दी गई थी, उसे अब देश की सुरक्षा के हित में तत्काल प्रभाव से रद्द किया जाता है।

भारत और पाकिस्तान के हालिया सैन्य संघर्ष के दौरान तुर्किये ने पाकिस्तान को खुला समर्थन दिया था। यही नहीं, पाकिस्तान ने भारत के खिलाफतुर्किये के ड्रोन का बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया। यही नहीं, तुर्किये ने पाकिस्तान में आतंकी ठिकानों पर भारत की सैन्य कार्रवाई की भी निंदा की थी। इससे भारत और तुर्किये के संबंधों में एक बार फिर कड़वाहट आ गई है। दक्षिण कश्मीर में पहलगाम हमले के बाद भारतीय सशस्त्र बलों ने पाकिस्तान और पीओके में आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया था। पहलगाम आतंकी हमले में 26 निर्दोष लोगों की नृशंस तरीके से हत्या कर दी गई थी। जिनमें अधिकांश पर्यटक शामिल थे।

सेलेबी की वेबसाइट के मुताबिक, यह कंपनी भारत के 9 बड़े हवाई अड्डों पर ग्राउंड हैंडलिंग सेवाएं देती है-- दिल्ली, मुंबई, कोच्चि, कन्नूर, बंगलूरू, हैदराबाद, गोवा, अहमदाबाद, चेन्नई। ग्राउंड हैंडलिंग में यात्रियों के बैग, विमान की सफाई, बोर्डिंग प्रक्रिया और अन्य जरूरी जमीन से जुड़े काम शामिल होते हैं।

सुविधाएं नदारद, बस स्टैंड पर मुसाफिर बेहाल

लकेश्वर बघेल

बलौदा बाजार (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय बलौदा बाजार में नवनिर्मित बस स्टैंड यात्रियों और व्यापारियों के लिए सुविधा के बजाय मुसीबत का केंद्र बनता जा रहा है। यहां मूलभूत सुविधाओं के अभाव के चलते आम लोगों को भारी परेशानी उठानी पड़ रही है। प्रतीक्षालय, पेयजल, शौचालय और रात्रिकालीन रोशनी जैसी जरूरी व्यवस्थाएं न होने से यात्रियों में नाराजगी है।

प्रतीक्षालय की अनुपस्थिति के कारण यात्रियों को तेज धूप और बारिश में खुले आसमान के नीचे खड़ा रहना पड़ता है। नियमित यात्री रामकुमार ध्रुव ने कहा, गर्मी के इस मौसम में यात्री अपने सामान के साथ खुले में खड़े रहते हैं। प्रतीक्षालय की सख्त जरूरत है, ताकि कुछ राहत मिल सके।

पानी के लिए तरसते मुसाफिर

बस स्टैंड पर पेयजल की समुचित व्यवस्था नहीं है। यात्री भोजराम ने बताया, मटके में पानी रखा है, लेकिन उसकी स्वच्छता पर सवाल है। हमें पीने के लिए पानी खरीदना पड़ता है। कम से कम एक वाटर कूलर तो होना चाहिए, जिससे शुद्ध और ठंडा पानी मिल सके। स्वच्छ और सुरक्षित शौचालय की व्यवस्था न होने से महिला यात्रियों को सबसे ज्यादा दिक्कत हो रही है। बस चालक लोकनाथ साहू ने कहा, बसें समय पर आती-जाती हैं, लेकिन यात्री सुविधाओं के नाम पर यहां कुछ नहीं है। महिलाओं के लिए यह स्थिति और भी असुविधाजनक है।

रात के समय बिजली की व्यवस्था न होने से पूरा बस स्टैंड अंधेरे में डूबा रहता है। इससे असामाजिक तत्वों की गतिविधियां बढ़ जाती हैं, जिससे यात्रियों, व्यापारियों और बस चालकों में असुरक्षा की भावना बनी रहती है।

नगर पालिका बलौदाबाजार के सीएमओ ने कहा है कि, बस स्टेशन में रिनोवेशन का काम जारी है। अतिक्रमण हटा दिया गया है और साफ-सुथरे शौचालय की व्यवस्था की जा रही है। अन्य सुविधाएं भी जल्द उपलब्ध कराई जाएंगी।

कन्नड़ विवाद' में सोनू निगम को राहत, हाई कोर्ट ने दिया दंडात्मक कार्रवाई न करने का आदेश

बेंगलुरु (एजेंसी)। कन्नड़ विवाद को लेकर मुसीबत में फंसे गायक सोनू निगम को गुरुवार को कर्नाटक हाई कोर्ट से बड़ी राहत मिल गई है। निगम की याचिका पर न्यायालय ने उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई न किए जाने का आदेश दिया है। न्यायमूर्ति शिवशंकर अमरन्नावर की अध्यक्षता वाली पीठ ने सोनू निगम की याचिका पर सुनवाई की। न्यायालय ने उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई न करने का आदेश देते हुए गायक को जांच में सहयोग करने का निर्देश दिया।

सोनू निगम के वकील ने तर्क दिया कि उनका कभी भी कन्नड़ समुदाय का अपमान करने का इरादा नहीं था और उन्होंने पहले ही सार्वजनिक रूप से माफी मांग ली है। सरकारी वकील ने

कहा कि उनकी टिप्पणी लाइव प्रसारण का हिस्सा थी और इसे मीडिया में व्यापक कवरेज मिला, जिसके कारण कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता है। उन्होंने जांच में उनकी अनुपस्थिति के कारण उन्हें कानूनी सुरक्षा देने का विरोध किया।

उल्लेखनीय है, सोनू निगम ने मामले में दर्ज एफआईआर को रद्द करने के लिए 13 मई को कर्नाटक हाई कोर्ट में याचिका दी थी।

गत 25 अप्रैल को एक कार्यक्रम के दौरान निगम की टिप्पणियों पर विवाद के बाद कर्नाटक पुलिस ने 3 मई को एफआईआर दर्ज की थी। भारतीय न्याय संहिता की कई धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज की गई थी।

एफआईआर कर्नाटक रक्षण वैदिके की बेंगलुरु सिटी जिला इकाई के अध्यक्ष धर्मराज ए. ने दर्ज करवाई है। कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु के वीरगोनगर में सोनू निगम का एक शो आयोजित किया गया था, जिसमें परफॉर्मेंस के दौरान एक युवक ने उनसे कन्नड़ में गाने की मांग की, जिसके बाद बहस शुरू हो गई थी। गायक ने कहा था, कन्नड़, कन्नड़, कन्नड़। इसलिए, पहलगाम में हमला हुआ।

सीएम की हरी झंडी, बंगाल में होगा 25 हजार करोड़ रुपये का निवेश

कोलकाता (एजेंसी)। सीएम ममता बनर्जी ने बंगाल वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन (बीजीबीएस) के मंच पर जो नींव गाड़ी थी, वह अब साकार होने की ओर अग्रसर है।कारण विभिन्न व्यापारिक समूहों द्वारा बंगाल की ममता सरकार को विशिष्ट निवेश प्रस्ताव प्रस्तुत किये गये हैं। अब ममता बनर्जी की कैबिनेट ने औद्योगीकरण के लिए भूमि व्यवस्था को भी अंतिम रूप दे दिया। 2021 में तीसरे कार्यकाल के लिए मुख्यमंत्री के रूप में शपथ लेने के बाद, ममता ने घोषणा की कि इस बार उनका मुख्य लक्ष्य औद्योगीकरण है। बुधवार राज्य मंत्रिमंडल की बैठक के बाद मुख्यमंत्री ने कहा, हमारा लक्ष्य तीव्र औद्योगिकीकरण और रोजगार सृजन है।

आज कैबिनेट बैठक के बाद प्रेस कांफ्रेंस में मुख्यमंत्री ममता ने कहा कि राज्य में निवेश को लेकर औद्योगिक समूहों की ओर से दिए गए प्रस्तावों पर आज निर्णय लिए गए। राज्य औद्योगिक विकास निगम के अधीन पुरुलिया, दुर्गापुर और पानागढ़ सहित 10 स्थानों पर कुल 2,515 एकड़ भूमि आवंटित की गई है। मुख्यमंत्री द्वारा दिए गए आंकड़ों के अनुसार इन सभी जगहों पर 25,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा। प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रोजगार 70,000 होगा। ममता ने कहा कि प्राप्त निवेश प्रस्तावों में से अधिकांश इस्पात उद्योग में हैं। बुधवार को हुई कैबिनेट बैठक में राज्य के 15 औद्योगिक तालुकों में 43 कंपनियों को लघु एवं मध्यम उद्योगों के लिए जमीन उपलब्ध कराने का भी निर्णय लिया गया।

कई महीने पहले मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने कहा था कि, टॉलीवुड के कई लोगों ने उनके सामने प्रस्ताव रखा था कि हर जिले में सिनेमा हॉल बनाए जाएं। प्रस्ताव मिलने पर ममता ने घोषणा की कि पीपीपी मॉडल का उपयोग करके हर जिले में शॉपिंग मॉल बनाए जाएंगे। उस मॉल में एक सिनेमा हॉल भी होगा। बुधवार को कैबिनेट की बैठक में 11 जिलों में शॉपिंग मॉल के निर्माण को मंजूरी दे दी गई। इस सूची में पुरुलिया, दार्जिलिंग, हावड़ा, मुर्शिदाबाद और बांकुड़ा जैसे जिले शामिल हैं। ममता ने कहा कि शेष 12 भी प्रक्रिया में हैं।

नक्सल विरोधी अभियान की सफलता पर दी बधाई

गलगम पहुंचे मुख्यमंत्री साय, जवानों का हौसला बढ़ाया

रायपुर(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय बीजापुर जिले के उसूर तहसील के अंदरूनी गांव गलगम पहुंचे, जहाँ उन्होंने सीआरपीएफके जवानों और स्थानीय ग्रामीणों से मुलाकात कर हालिया नक्सल विरोधी अभियान की सफलता पर चर्चा की। इस अभियान में सुरक्षा बलों ने करेगुट्टा की पहाड़ी पर 21 दिनों तक चले ऑपरेशन में 31 कुख्यात माओवादी आतंकियों को मार गिराया और बड़ी मात्रा में हथियार बरामद किए। मुख्यमंत्री साय ने इस अभियान को नक्सल मुक्त छत्तीसगढ़ के लक्ष्य की ओर एक महत्वपूर्ण कदम बताया।

मुख्यमंत्री श्री साय ने भारत माता और छत्तीसगढ़ महतारी के जयकारे के उद्घोधन की शुरुआत की। उन्होंने कहा कि हमारे जवानों ने अदम्य साहस और समर्पण के साथ इस ऑपरेशन को सफल बनाया है। यह न केवल बीजापुर बल्कि पूरे राज्य के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। गलगम और करेगुट्टा का क्षेत्र लंबे समय से नक्सलियों का गढ़ माना जाता रहा है और इस अभियान ने इस इलाके को सुरक्षित बनाने की दिशा में नई उम्मीद जगाई है। सीआरपीएफ जवानों से मुलाकात के दौरान साय ने उनके साहस की सराहना की और कहा कि आपके शौर्य और निष्ठा से ही हम नक्सलवाद के खिलाफ इस लड़ाई को जीत रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि हमें सरकार में आए डेढ़ साल हुए हैं और इस अवधि में हमने राज्य में सुशासन स्थापित करने का प्रयास किया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि आप लगातार अनेक कठिन नक्सल विरोधी ऑपरेशन को अंजाम दे रहे हैं। आप 44 डिग्री की गर्मी में भी ऑपरेशन चलाते हैं। ऐसे जवानों के अदम्य साहस को मैं नमन करता हूँ। उन्होंने बताया कि वे सुरक्षा कैम्प को सुविधा कैम्प मानते हैं क्योंकि सुरक्षा कैम्प के माध्यम से अब बस्तर के सुदूर इलाकों में अनेक तरह की सुविधाएं पहुंच रही हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय के कहा कि जब हमारी सरकार आयी तो इस क्षेत्र में सबसे पहला कैम्प मूलेर में खोला गया। आज मूलेर समेत आसपास के गांव में राशन की सुविधा, बिजली, स्वास्थ्य, स्कूल, मोबाइल टॉवर जैसी सुविधाएं मिलने लगी हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृहमंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व और मार्गदर्शन में नक्सल विरोधी अभियान में लगातार सफलता मिल रही है। राज्य में मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को नक्सल मुक्त करने का लक्ष्य है, निश्चित रूप से फोर्स के जवानों के अदम्य साहस की बदौलत हम इस संकल्प को पूरा कर लेंगे। उन्होंने कहा बस्तर में नियद नेल्ला नार योजना ने स्थानीय लोगों से जुड़ने में अहम भूमिका निभाई है।

अपने दौरे के दौरान मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने ग्रामीण हितग्राहियों से भी मुलाकात की और उन्हें राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड का वितरण करते हुए पीएम आवास योजनांतर्गत स्पेशल प्रोजेक्ट नक्सल पीड़ित व आत्मसमर्पित परिवारों को स्वीकृति पत्र प्रदान किया। उन्होंने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि सरकार क्षेत्र में विकास कार्यों को और अधिक तेज गति से करेगी साथ ही शिक्षा, स्वास्थ्य व रोजगार के अवसरों को बढ़ावा देगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि मार्च 2026 तक छत्तीसगढ़ को पूरी तरह नक्सल मुक्त बनाने का लक्ष्य है, और इसके लिए सुरक्षा बलों के साथ-साथ स्थानीय समुदायों का सहयोग भी जरूरी है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि क्षेत्र में सड़क, बिजली और पानी जैसी बुनियादी सुविधाओं को मजबूत किया जाएगा, ताकि ग्रामीण मुख्यधारा से जुड़ सकें।

इसके साथ ही, नक्सल प्रभावित क्षेत्रों में शिक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं को प्राथमिकता दी जाएगी। मुख्यमंत्री श्री साय ने गलगम कैंप में जवानों के साथ तस्वीर खिंचाई और भारत माता के जयकारे से उनका जोश बढ़ाया। जवानों ने भी नारे लगाते हुए देशभक्ति का जज़्बा दिखाया। मुख्यमंत्री ने जवानों संग बैठकर भोजन भी किया। गलगम कैम्प में हुए आयोजन में पुलिस महानिदेशक श्री अरुण देव गौतम ने अपने उद्बोधन में फोर्स के जवानों द्वारा किए जा रहे सिविक एक्शन को सराहा।

संघर्ष विराम के बाद बोले विदेश मंत्री

पाकिस्तान से केवल आतंकवाद और पीओके खाली करने पर होगी बात

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत पाकिस्तान संघर्ष विराम के बाद उठ रहे सवालों का विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जवाब दिया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान के साथ हमारे संबंध और व्यवहार पूरी तरह से द्विपक्षीय होंगे। इसमें बिल्कुल भी बदलाव नहीं हुआ है। प्रधानमंत्री ने भी स्पष्ट किया है कि पाकिस्तान के साथ अब बातचीत केवल आतंकवाद और पीओके खाली करने पर होगी।

होंडुरास के दूतावास के उद्घाटन के अवसर पर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि पाकिस्तान के पास आतंकवादियों की एक सूची है जिसे उसे हमें सौंपना होगा। साथ ही उसे आतंकियों के बुनियादी ढांचे को बंद करना होगा। वे जानते हैं कि क्या करना है। हम उनके साथ आतंकवाद के बारे में चर्चा करने के लिए तैयार हैं। ये वे वार्ताएं हैं जो संभव हैं। उन्होंने कहा कि सिंधु जल संधि स्थगित है और तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान

द्वारा सीमा पार आतंकवाद को रोका नहीं जाता। कश्मीर पर चर्चा के लिए केवल एक ही बात बची है, वह है पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में अवैध रूप से कब्जाए गए भारतीय क्षेत्र को खाली करना। हम इस चर्चा के लिए तैयार हैं।

संघर्ष विराम को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि यह साफ है कि गोलीबारी बंद करने की मांग कौन कर रहा था। हमने आतंकी ढांचे को नष्ट करके जो लक्ष्य निर्धारित किए थे, उन्हें हासिल कर लिया है। ऑपरेशन सिंदूर की शुरुआत में ही हमने पाकिस्तान को यह संदेश भेज दिया था कि हम आतंकी ढांचे पर हमला कर रहे हैं, न कि सेना पर और सेना के पास यह विकल्प है कि वह अलग खड़ी रहे और हस्तक्षेप न करे।

उन्होंने उस सलाह को न मानने का फैसला किया। एक बार 10 मई की सुबह उन्हें बुरी तरह से नुकसान पहुंचा। सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि हमने कितना नुकसान पहुंचाया और उन्होंने कितना कम नुकसान किया। इसलिए यह स्पष्ट है कि गोलीबारी बंद करने की मांग कौन कर रहा था। पहलगाम हमले पर विदेश मंत्री ने कहा कि हमें अंतरराष्ट्रीय समर्थन मिला है। हमने ह्स्ष्ट में प्रस्ताव पेश किया था कि अपराधियों को जवाबदेह ठहराया जाना चाहिए और सात मई को उन्हें ऑपरेशन सिंदूर के जरिये जवाबदेह ठहराया गया।

भारत अमेरिका व्यापार वार्ता को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच व्यापार वार्ता चल रही है। ये थोड़ी कठिन है। जब तक सब कुछ तय नहीं हो जाता, तब तक कुछ भी कहा नहीं जा सकता।

संक्षिप्त समाचार

धान बीज वा डीएपी खाद के लिए किसानों की मांग को देखते हुए प्राधिकृत अधिकारियों ने सौंपा ज्ञापन

पाटन (समय दर्शन)। सेलूद पाटन जामगांव आर एवं रानितराई ब्राच के सेवा सहकारी समिति के प्राधिकृत अधिकारीयों ने किसानों के मांग के अनुरूप डीएपी खाद एवं धान बिज की मांग हेतू दुर्ग सासंद विजय बघेल , जिला कलेक्टर एवं डीएम ओ साहब को ज्ञापन सौंपा ।

सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित दुर्ग के शाखा जामगांव (आर) एवं शाखा सेलूद से सम्बद्ध समस्त सेवा सहकारी समितियों में मांग के अनुरूप खरीफ सीजन हेतु डीएपी खाद का भंडारा नहीं हुआ है। खरीफ धान बोनी सीजन नजदीक है, एवं धान बोनी के समय डीएपी खाद की जरूरत पड़ती है। किसानों द्वारा समिति में प्रतिदिन डीएपी खाद हेतु मांग बढ़ती जा रही है, एवं समितियों में डीएपी खाद न होने के कारण किसानों को प्राइवेट दुकानदार से अधिक दाम में डीएपी खाद लेना पड़ता है।जिससे समितियों को व्यवसाय में नुकसान होता है और किसानों को अतिरिक्त आर्थिक बोझ का सामना करना पड़ता है।

जिसमें भगवान सिंह चंद्रकार, तेजेन्द्र पिपरिहा,पारखत सिंह साहू, रूपसिंह सिंहा ,संजय चंद्रकार, विनोद ठाकुर, बुद्धदेव चंद्रकार,बलभद्र वर्मा राजू, संतोष घिरवानी, बेनीराम साहू, योगेश्वर साहू,दानी राम वर्मा, राजेश बंछोर, उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में 12 हितग्राही समाज कल्याण विभाग से हुए लाभान्वित

पिथौरा(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ शासन की इस पहल से सुशासन तिहार-2025 के अंतर्गत विकासखण्ड पिथौरा की ग्राम पंचायत पिरदा मे 13 मई को आयोजित समाधान शिविर में समाज कल्याण विभाग ने 12 पात्र हितग्राहियों को पेंशन योजनाओं के तहत लाभ प्रदान किया गया।

शिविर में जनप्रतिनिधियों द्वारा पेंशन योजनाओं के अंतर्गत ग्राम पंचायत पिरदा के पात्र हितग्राहियों को पेंशन स्वीकृति आदेश प्रदान किए गए। लाभ प्राप्त करने वालों में श्रीमती कमलाबाई पटेल, मिनकेतन सिदार, संतोष प्रधान, डंकधर पटेल, उत्तर कुमार प्रधान, परमानंद भोई, नोहर भोई, बीरबल भोई, दाशरथी नायक, सुफल भोई, सतपती निषाद एवं सुग्रची पटेल शामिल हैं।

समाज कल्याण विभाग की अधिकारी श्रीमती संगीता सिंह ने बताया कि शासन की मंशा है कि पात्र लोगों को योजनाओं का लाभ तुरंत और पारदर्शी रूप से मिले। इस दिशा में समाधान शिविर अत्यंत प्रभावी माध्यम बनकर उभरे हैं। ग्रामीणों ने इस पहल की सराहना करते हुए शासन का आभार व्यक्त किया।

समाधान शिविर पथरिया विकासखण्ड के पथरगढ़ी में आज

मुंगेली(समय दर्शन)। शासन के निर्देशानुसार एवं कलेक्टर कुन्दन कुमार के मार्गदर्शन में सुशासन तिहार अंतर्गत समाधान शिविर 16 मई को पथरिया विकासखण्ड के ग्राम पथरगढ़ी स्थित मेला स्थल में आयोजित किया जाएगा। पथरगढ़ी क्लस्टर अंतर्गत सिलतरा, छिन्दभोग, खपरी, पथरगढ़ी, भठली, सकेरी, गंगद्वारी, पौंसरी, सोढ़ी म., मोहभट्ठा सो., परसदा, बेलखुरी, कलार जेवरा और लमती सहित 14 ग्राम पंचायतों को शामिल किया गया है। समाधान शिविर में लोग अपनी मांगों एवं समस्याओं के निराकरण के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही नए आवेदन भी प्रस्तुत कर सकते हैं।

प्रधानमंत्री आवास योजना शहरी 2.0 - धमतरी के चार नगरीय निकायों में 280 नये आवास स्वीकृत

धमतरी (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ में सभी का पक्के मकानों में रहने का सपना पूरा हो रहा है। शहरी क्षेत्र हो या ग्रामीण इलाका, सरकार प्राथमिकता से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को पक्के मकान बनाने के लिए स्वीकृति जारी कर रही है।

धमतरी जिले में चार नगरीय निकायों में 280 गरीब परिवारों को जल्द ही पक्के मकान की सौगात मिल जाएगी। सरकार ने आज ही जिले के आमदी, धमतरी, कुरूद और नगरी नगरीय निकायों के लिए 280 प्रधानमंत्री आवासों को स्वीकृति दे दी है। आमदी नगरपंचायत क्षेत्र में 30, धमतरी नगरनिगम क्षेत्र में 203, कुरूद नगर पंचायत क्षेत्र में 22 और नगरी नगर पंचायत क्षेत्र में 25 प्रधानमंत्री आवासों की स्वीकृति दी गई है। यह स्वीकृति प्रधानमंत्री आवास योजना के डीएलसी घटक के तहत दी गई है। इन स्वीकृत आवासों को लाभार्थी द्वारा 18 महीने की अवधि में पूरा कर लेने पर मुख्यमंत्री गृह प्रवेश सम्मान निधि का लाभ भी दिया जाएगा। आवासों के निर्माण के लिए चार किश्तों में हितग्राहियों को ढाई लाख रूपये का अनुदान भी मिलेगा।

समाधान शिविर करौली व सकालो में जनसमस्याओं का हुआ त्वरित निराकरण

सुशासन तिहार 2025 बना जनता के लिए उमीद की किरण

रायपुर (समय दर्शन)। शासन की हितग्राही मूलक योजनाओं के क्रियान्वयन में पारदर्शिता लाने हेतु मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की पहल पर प्रदेश भर में सुशासन तिहार मनाया जा रहा है। सुशासन तिहार अंतर्गत सरगुजा जिले के विकासखंड लूण्ड्रा के करौली और अम्बिकापुर विकासखंड के सकालो में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमें सुशासन तिहार अंतर्गत प्रथम चरण में प्राप्त आवेदनों का निराकरण करते हुए में ग्रामीणों की शिकायतों और मांगों का व्यापक स्तर पर समाधान कर जानकारी साझा किया गया। कार्यक्रम में शामिल लूण्ड्रा विधायक श्री प्रबोध मिंज ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय की अभिनव पहल जनहित सर्वोपरि की भावना को दर्शाती है, सुशासन तिहार अंतर्गत जो शासन की योजनाओं को अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने का कार्य किया जा रहा है, प्रशासन समाधान शिविर आयोजित कर समस्याओं का समाधान कर रही है।

शिविर में कलेक्टर श्री विलास भोसकर ने मांग और शिकायतों के निराकृत हितग्राहियों से संवाद कर समाधान की विस्तृत जानकारी दी। और शिविर में उपस्थित जनप्रतिनिधियों के माध्यम से हितग्राहियों को प्रणाम पत्र दिलाया। इस अवसर पर कलेक्टर ने कहा कि शासन की पहल पर आयोजित सुशासन तिहार के अंतर्गत समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। जहां आम नागरिकों की मांग और शिकायतों के निराकरण कर जानकारी दी जा रही है। उन्होंने बताया कि अधिकांश पंचायतों में राशन कार्ड, पेंशन, प्रधानमंत्री आवास योजना और जाति/आय प्रमाण पत्र से संबंधित मांग के लिए आवेदन प्राप्त हुए थे। जिला प्रशासन का लक्ष्य है कि प्राप्त आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित हो।

प्राप्त आंकड़ों के अनुसार, करौली क्लस्टर में आयोजित शिविर में कुल 3851 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 3834 मांग और शिकायतों का त्वरित निराकरण कर दिया गया। जिसमें मांग के 3775 आवेदन और 76 शिकायते के आवेदन प्राप्त हुए थे। इनमें से 3759 मांगों और 75 शिकायतों का त्वरित निराकरण किया गया। केवल 17 आवेदन अभी भी लंबित हैं, जिस पर कार्यवाही जारी है। इस दौरान जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निरूपा सिंह, उपाध्यक्ष श्री देवनारायण यादव, लूण्ड्रा जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती कृष्णा पाले, जनपद उपाध्यक्ष कंचन जायसवाल, जिला पंचायत सीईओ श्री विनय कुमार अग्रवाल सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

तर्रा में एक मात्र एटीएम बंद, पैसा निकालने भटक रहें है एटीएम कार्ड धारक, पंजाब नेशनल बैंक प्रबंधन का ध्यान नहीं

पाटन (समय दर्शन)। पंजाब नेशनल बैंक के द्वारा ग्राम तर्रा में अपने ग्रामीण खाता धारकों को पैसा आहरित करने के लिए एटीएम सुविधा प्रदान किया गया है। लेकिन करीब पिछले 6 माह से यह एटीएम सफेद हाथी साबित हो रही है । एटीएम बंद है जिसके कारण ग्रामीण खाताधारक पैसा निकालने के लिए भटक रहे हैं। वहीं बैंक में भी लंबी-लंबी कतारे लगानी पड़ रही है। इससे समय का नुकसान हो रहा है। 5 मिनट के कार्य के लिए बैंक में आधे घंटे से ज्यादा इंतजार करना पड़ रहा है । एटीएम की सुविधा शुरू होने से ग्रामीण खाताधारको ने राहत की सांस ली थी लेकिन अब एटीएम बंद होने से ग्रामीण काफी परेशान है।। बैंक प्रबंधन में कई बार शिकायत करने के बाद भी एटीएम को सुधारने का सुध बैंक प्रबंधन में भी नहीं ली है। ग्रामीण दीपक चंद्राकर ने बताया कि वह एटीएम से पैसा हमेशा निकलते थे लेकिन पिछले कुछ दिनों से एटीएम बंद है। इस कारण उसे राशि आहरित करने में परेशानी हो रही है। सभी काम को छोड़कर वह बैंक में पैसा निकालने के लिए विड्रॉल भरकर कतार में खड़े रहते हैं। इससे उनका समय का भी नुकसान हो रहा है। इसी तरह से कई ग्रामीण खाता धारक है जो एटीएम होने के बावजूद भी पैसा निकालने के लिए बैंक में कतार में लगे रहते हैं। ग्रामीण क्षेत्र में एटीएम की सुविधा प्रदान करने से लोगों ने काफी खुशी का इजहार किया था लेकिन अब यही एटीएम खराब होने से लोग काफी मायूस है ।वही जानकारी मिली है कि पंजाब नेशनल बैंक के अंमलेश्वर स्थित शाखा का भी एटीएम खराब है। जिसे भी अभी तक सुधार नहीं किया गया है। ग्रामीण खाता धारकों ने कहा है कि जल्द से जल्द एटीएम में सुधार किया जाए जिससे लोगों को राहत मिले।

सभापति प्रणव शर्मा ने सुशासन तिहार झीट में प्रमुखता से निर्बाध विद्युत आपूर्ति की मांग की

पाटन (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ के भाजपा सरकार द्वारा मनाए जा रहे सुशासन तिहार के माध्यम से आम जनता की शिकायत एवं मांग के ऑनलाइन एवं ऑफलाइन आवेदन पत्र संबंधित समाधान शिविर ग्राम पंचायत झीट में बुधवार को आयोजित किया गया जिसमें जनपद पंचायत पाटन के सर्वाधिक लोकप्रिय सभापति प्रणव शर्मा ने उपस्थित होकर जनता की समस्याओं व मांग पर विषेश रूप से ध्यान देते हुए वर्तमान सबसे बड़े समस्या हाल में हुए आंधी तूफान एवं बारिश से बाधित हुए विद्युत आपूर्ति संबंधित समस्या के समाधान पर तत्काल विभाग के अधिकारियों के ध्यान दिए जाने की मांग की, आंधी तूफान से पाटन क्षेत्र में बहुत से स्थानों पर 24 से 48 घंटे तक विद्युत आपूर्ति बाधित होने के साथ-साथ भारी गर्मी की समस्या और पेय जल आपूर्ति भी बाधित हो गई थी, जिससे लोग बहुत ज्यादा परेशान होते रहे। अचानक आए आंधी तूफान से पाटन क्षेत्र में कई घरों के छप्पर उड़ गए ऐसे मामलों में आर्थिक सहायता संबंधित मुवाउजा राशि राजस्व विभाग द्वारा जल्द से जल्द प्रदान की जाने की भी मांग की गई।

समाधान शिविर में जनमन पत्रिका एवं ब्रोशर का किया गया वितरण

मुंगेली(समय दर्शन)। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय की जनकल्याणकारी सोच एवं त्वरित समाधान की भावना को मूर्त रूप देने हेतु राज्यभर में सुशासन तिहार का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में नगर पंचायत जरहागांव एवं विकासखंड लोरमी के ग्राम सेमरसल में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर के दौरान जनसंपर्क विभाग द्वारा प्रकाशित जनमन मासिक पत्रिका तथा शासन की योजनाओं से संबंधित जानकारी समाहित ब्रोशर का नि:शुल्क वितरण किया गया। इन प्रकाशनों के माध्यम से ग्रामीणों को सरकार की विभिन्न जनहितैषी योजनाओं की विस्तृत जानकारी प्राप्त हुई। ग्रामीणों ने जनमन पत्रिका एवं ब्रोशर को उपयोगी बताते हुए कहा कि इससे शासन की योजनाओं की जानकारी सुलभ हुई है और वे इनका लाभ उठाने के लिए अधिक सजग हो सकेंगे।

उन्होंने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय एवं विभाग के प्रति आभार व्यक्त किया। गौरतलब है कि जनसंपर्क विभाग द्वारा वितरित ''मोर दुवार, साय सरकार'' ब्रोशर में प.दीनदयाल उपाध्याय भूमिहीन कृषि मजदूर कल्याण योजना, मुख्यमंत्री ग्रामीण बस सुविधा योजना, रामलला अयोध्या धाम दर्शन योजना, पंजीयन विभाग की 10 नई क्रांतियां, प्रधानमंत्री आवास योजना, महतारी वंदन योजना, कृषिक उन्नति योजना, मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना के संबंध में जानकारी दी गई है। इसी प्रकार जनमन पत्रिका में शासन की विकासोन्मुखी नीतियों, नवाचारों एवं लोकहितकारी कार्यक्रमों का समावेश किया गया है, जो आमजन को जागरूक करने में प्रभावी सिद्ध हो रहा है।

एसईसीएल क्वार्टर में चोरी करने वाला चोर पकड़ाया

बिलासपुर (समय दर्शन)। शहर के सरकंडा क्षेत्र के एसईसीएल क्वार्टर में चोरी करने वाले चोर को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी से चोरी का सामान बरामद कर उसके खिलाफ धारा - 331(4), 305(ए) बीएनएस के तहत अपराध दर्ज किया है।

मिली जानकारी के अनुसार प्रार्थी रविन्द्र कुमार रजा पिता स्व. प्रभु रजक उम्र 50 वर्ष सा0 ए-216 बसंत विहार कालोनी सरकंडा बिलासपुर का थाना उपस्थित आकर रिपोर्ट दर्ज कराया कि वह एस ई सी एल हेड क्वाटर सरकंडा में सहायक सुरक्षा उप निरीक्षक के पद पर पदस्थ है दिनाक 12.05.2025 को रात्रि करीब 02:30 बजे एस ई सी एल के सीसीटीवी के कंट्रोल रूम में बैठा था और फुटेज को देख रहा था इसी दौरान सहकर्मी रीता के क्वाटर नं0 ए 275 में जो छुट्टी मे होने से मकान सुना था के दिवाल को फांदकर पीछे के दरवाजे से एक व्यक्ति को अंदर जाते देखा तो तुरंत अपने स्टाफ अनिल कुमार क्षत्री को क्वा.नं. ए 275 में भेजा फिर थोडी देर बाद में भी वहाँ जाकर देखा तो सहकर्मी के मकान से एक नग गैस सिलेण्डर भारत गैस कपनी एक नग सिलिंग पौन व एक जग सिलाई मशीन कुल किमती करीब 6000 रुपये को कोई अज्ञात व्यक्ति चोरी कर ले गया है। प्रार्थी की रिपोर्ट पर अपराध सदर कायम कर विवेचना में लिया गया एवं सीसीटीव्ही फूटेज के आधार पर संदेही का पता तलाश किया गया जो बहतराई का अर्जून राजपूत के रूप में पहचान हुआ जिसके संबंध में वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक महोदय बिलासपुर श्री रजनेश सिंह (भापुसे) को अवगत कराने पर चोरी के प्रकरण का त्वरित निराकरण कर आरोपी गिरफ्तार करने निर्देशित किये।

रांधना में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए प्रभारी मंत्री लखन लाल देवांगन

150 हितग्राहियों को राशन कार्ड, जॉब कार्ड, श्रम पंजीयन कार्ड सहित अन्य योजनाओं का मिला लाभ

रायपुर (समय दर्शन)। सुशासन तिहार में प्रभारी मंत्री तथा वाणिज्य एवं उद्योग एवं श्रम विभाग मंत्री श्री लखन लाल देवांगन आज कोण्डागांव जिले के माकड़ी विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत रांधना में आयोजित समाधान शिविर में शामिल हुए। शिविर में उन्होंने विभिन्न विभागों के स्टॉल में अधिकारियों से सुशासन तिहार में प्राप्त आवेदन के निराकरण की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने अधिकारियों से आवेदनों पर त्वरित एवं पारदर्शी ढंग से निदान करने के निर्देश दिए। इस अवसर पर कोंडागांव विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण की उपाध्यक्ष सुश्री लता उसेंडी भी उपस्थित रहीं।

श्रम मंत्री श्री लखन लाल देवांगन ने शिविर को संबोधित करते हुए कहा कि राज्य सरकार के सुशासन के 15 माह पूरे हो रहे हैं। सुशासन तिहार के तहत गांव गांव में ग्रामीणों की समस्याओं के निदान के लिए शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस पहल से शासन गांव-गांव में पहुंच रही है और ग्रामीणों की समस्याओं से सीधे संवाद किया जा रहा हैं। कई मांगों का मौके पर ही निराकरण किया जा रहा है वहीं कुछ मांगों का निर्धारित समय सीमा में कार्यवाही की जाएगी। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय जेठ माह की भरी दोपहरी में में गांव-गांव पहुंचकर ग्रामीणों से सीधे संवाद कर योजनाओं के जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन का फीडबैक ले रहे हैं और समस्याओं का निराकरण भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने देश के विकास के साथ साथ गौरव भी बढ़ाया है। मुख्यमंत्री श्री साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ राज्य के विकास को गति मिली है और समाज के हर वर्ग का कल्याण हो रहा है।

कोंडागांव विधायक सुश्री लता उसेंडी ने कहा कि सुशासन तिहार के माध्यम से गांवों में शासकीय योजनाओं का लाभ पहुंचाया जा रहा है। डबल इंजन की सरकार के गत 15 माह में विकास की गति और शासकीय कार्यों में पारदर्शिता आई है। पूर्व विधायक श्री सेवकराम नेताम ने कहा कि सुशासन तिहार से ग्रामीणों की समस्याओं और मांगों का समयबद्ध निराकरण सुनिश्चित किया जा रहा है। शिविर में प्रभारी मंत्री, विधायक एवं अन्य अतिथियों ने विभिन्न योजनाओं के तहत ग्रामीणों को हितग्राहीमूलक सामग्री वितरित किए। शिविर में उद्यानिकी विभाग द्वारा 19 हितग्राहियों को सब्जी बीज और जैविक खाद, मत्स्य पालन विभाग द्वारा 02 हितग्राहियों को मछली जाल, खाद्य विभाग द्वारा 55 हितग्राहियों को राशन कार्ड, 05 हितग्राहियों को आवास स्वीकृति पत्र, 44 हितग्राहियों को मनरेगा जॉब कार्ड, समाज कल्याण विभाग द्वारा 01 दिव्यांगजन को व्हीलचेयर, श्रम विभाग द्वारा 24 को श्रम पंजीयन सहित कई अन्य योजनाओं का लाभ ग्रामीणों को मिला। इस अवसर पर कलेक्टर श्रीमती नूपुर राशि पन्ना जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रदमा बघेल व श्रीमती भगवती नेताम, जनपद पंचायत अध्यक्ष श्रीमती जुगबती पोयाम सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि जिला पंचायत सीईओ श्री अविनाश भोई, एडीएम श्री चित्रकांत चार्ली ठाकुर सहित अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

सार समाचार

किराना दुकान में हुई चोरी

कोरबा(समय दर्शन)। जिले में चोरों की सक्रियता बढ़ गई है। दुकान और मकान को चोर निशाना बना रहे हैं। इसी कड़ी में कुसमुंडा क्षेत्र के एक किराना दुकान में चोरों ने धावा बोल दिया। चोरों ने दुकान में रखे नकदी 30 हजार रुपए सहित अन्य के सामनों की चोरी कर ली। इसकी रिपोर्ट थाने में दर्ज कराई गई है। जानकारी के अनुसार आनंद नगर कुसमुंडा में रहने वाले कन्हैया अग्रवाल का 15 ब्लॉक झरनापारा के पास जरनल स्टोर की दुकान है। वह रविवार सुबह लगभग 8.30 बजे दुकान खोलने के लिए पहुंचा। उसके दुकान का ताला टूटा हुआ था। अंदर जाकर देखा, सामान बिखरा पड़ा था। दुकान में रखे 30 हजार रुपए नकदी, सिगरेट, गुटका सहित अन्य सामान नहीं थे। पुलिस ने मामले में चोरी का अपराध दर्ज किया है।

मुड़ापार डंपिंग यार्ड की दुर्गंध से लोग परेशान

कोरबा(समय दर्शन)। मुड़ापार मेन रोड से लेकर केरियर पब्लिक स्कूल रोड पर आना-जाना करने वाले और निवासरत लोग मुश्किल में हैं। उन्हें सांस लेने में दिक्कत हो रही है। हर स्थिति में नाक और मुंह को ढंकने के साथ दूसरे तरीके अपनाने की मजबूरी उनके सामने है। बताया गया कि इस इलाके में अवैध डंपिंग यार्ड बना दिया गया है। मांस का अपशिष्ट इस इलाके में हर दिन न केवल फेंका जा रहा है बल्कि बला टालने के इरादे से आग लगा दी जा रही है। इससे दुर्गंध और जहरीला धुआं वातावरण को प्रदूषित कर रहा है।

सर्प दंश के बाद तत्काल उपचार से बची जान

कोरबा(समय दर्शन)। जिला के विकासखंड पाली अंतर्गत ग्राम पंचायत कोडार के आश्रित ग्राम हरदीकछार निवासी रिठाल पैकरा पिता लोदीराम 45 वर्ष को घर पर सोने के दौरान जहरीले सांप ने हाथ की उंगली में कांट लिया। इसकी जानकारी परिजनों को दी। परिजनों ने तत्काल पाली सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में उसे भर्ती कराया। इसी प्रकार एक अन्य घटना अंतर्गत पाली टावर मोहल्ला निवासी एक महिला को जहरीले सांप ने काट लिया उन्हें भी परिजनों के द्वारा समय पर पाली सीएचसी ले जाया गया। डॉ. एस. कश्यप के द्वारा तत्काल मरीजों का उपचार किया गया। फिलहाल मरीजों की स्थित सामान्य बताई जा रही है। गर्मी में जैसे-जैसे उमस बढ़ रहा है वैसे-वैसे सांपों के बिल से बाहर निकलने का मामला भी आ रहा है। हर साल सर्पदंश से कोरबा में कई लोगों की मौत होती है।

शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार लाने मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान चलाएगी सरकार

कैबिनेट की बैठक में लिया गया निर्णय

रायपुर (समय दर्शन)। मुख्यमंत्री साय की अध्यक्षता में बुधवार को मंत्रालय महानदी भवन में आयोजित कैबिनेट की बैठक आयोजित हुई। कैबिनेट ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत बच्चों की शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार के लिए राज्य के शासकीय विद्यालयों में ''मुख्यमंत्री शिक्षा गुणवत्ता अभियान का संचालन करने का अहम निर्णय लिया। इस अभियान के अंतर्गत शिक्षा की गुणवत्ता सुधारने, पालक-शिक्षक सहभागिता बढ़ाने और शैक्षणिक उपलब्धियों को उन्नत करने के लिए कई महत्वपूर्ण बिंदुओं पर विशेष फोकस किया जाएगा। स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा अभियान के संबंध में विस्तृत दिशा-निर्देश जारी किया जाएगा। अभियान के तहत विद्यालयों का सामाजिक अंकेक्षण कर गुणवत्ता के आधार पर ग्रेडिंग की जाएगी। कमजोर शालाओं की नियमित मॉनीटरिंग विभिन्न विभागों के अधिकारियों और जनप्रतिनिधियों के माध्यम से सुनिश्चित की जाएगी। मॉडल शालाओं का चयन कर, कमजोर शालाओं के शिक्षकों को वहाँ शैक्षणिक भ्रमण कराया जाएगा। पालक-शिक्षक बैठकों (पीटीएम) के माध्यम से अभिभावकों की सक्रिय सहभागिता सुनिश्चित की जाएगी। विद्यार्थियों की शैक्षणिक उपलब्धियों में वृद्धि के लिए कक्षा शिक्षण प्रक्रियाओं में सुधार किया जाएगा। मंत्रिपरिषद ने साहित्य और कला के क्षेत्र में राज्य के अर्थाभावग्रस्त कलाकारों और साहित्यकारों के लिए एक बड़ी राहत देने का निर्णय लिया है। विधानसभा बजट सत्र में की गई घोषणा के परिपालन में अब कलाकारों को दी जाने वाली मासिक वित्तीय सहायता (पेंशन) को 2000 रुपये से बढ़ाकर 5000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। इसके लिए संस्कृति विभाग अंतर्गत संचालित वित्तीय सहायता योजना नियम-1986 में संशोधन के प्रस्ताव का मंत्रिपरिषद द्वारा अनुमोदन किया गया। इससे उन कलाकारों और साहित्यकारों को आर्थिक संबल मिलेगा, जो आजीविका के लिए संघर्षरत हैं। यह योजना वर्ष 1986 में प्रारंभ की गई थी, तब न्यूनतम सहायता राशि 150 रुपये और अधिकतम 600 रुपये निर्धारित थी। बाद में वर्ष 2007 में इसे बढ़ाकर 1500 रुपये और फिर 2012 में 2000 रुपये किया गया। लेकिन पिछले 12 वर्षों में कोई वृद्धि नहीं हुई थी। वर्तमान में राज्य में कुल 162 कलाकारों को यह पेंशन दी जा रही है। वर्तमान में हर कलाकार को सालाना 24 हजार रुपये पेंशन मिल रही है, जो संशोधन के बाद बढ़कर 60 हजार रुपये हो जाएगी। इससे कुल वार्षिक व्यय 38.88 लाख रुपये से बढ़कर 97.20 लाख रुपये हो जाएगा, जिससे राज्य पर 58.32 लाख रुपये का अतिरिक्त वार्षिक भार आएगा।

राहुल का बैज को पत्र, प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व परिवर्तन की अटकलों पर लगा विराम

रायपुर(समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ में विधानसभा, लोकसभा से लेकर निकाय चुनाव तक हार के कारण कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को बदले जाने पर सियासत के बीच कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी के पत्र ने इस पर विराम लगा दिया है। दीपक बैज को हटाए जाने के अटकलों के बीच कांग्रेस के बड़े-बड़े नेताओं ने प्रदेश की कमान संभालने की दावेदारी दिल्ली तक की थी। इनमें पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव और प्रदेश के वरिष्ठ आदिवासी नेता भी शामिल रहे। अटकलों के बीच दीपक बैज संगठन स्तर पर अपनी जिम्मेदारियों को अंजाम देते रहे। उन्होंने बलौदाबाजार हिंसा, इंद्रावती नदी के संरक्षण, प्रदेश में बढ़ते अपराध और जवानों का हौसला अफजाई करने छत्तीसगढ़ में समय-समय पर यात्राएं निकालीं। ये यात्राएं प्रदेश ही नहीं बल्कि देश में भी चर्चा में रहीं। इन अटकलों के बीच राहुल गांधी के एक पत्र ने इस पर विराम लगा दिया है। लोकसभा नेताप्रतिपक्ष राहुल गांधी ने कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज को पत्र लिखा है। उन्होंने उनकी पदयात्रा की तारीफ करते हुए कहा है कि मैं छत्तीसगढ़ कांग्रेस द्वारा महिलाओं के खिलाफ जघन्य अपराधों और रा%य में बिगड़ती कानून व्यवस्था के खिलाफ पदयात्रा निकालने की सराहना करता हूं। हमें न्याय के लिए लड़ना जारी रखना चाहिए और लोगों तक उम्मीद का संदेश पहुंचाना चाहिए। यह कहा जा रहा है कि राहुल गांधी ने पत्र लिखकर दीपक बैज के शेष कार्यकाल के लिए हरी झंडी दे दी है।

छत्तीसगढ़ी सिनेमा की धमक: 'मोर छइयां भुइयां 3' शुक्रवार 16 से प्रदर्शन

प्रदेश के 74 सिनेमा घरों एवं मल्टीप्लेक्स

रायपुर (समय दर्शन)। ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मोर छइयां भुइयां' की तीसरी कड़ी, 'मोर छइयां भुइयां 3', शुक्रवार से सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। सतीश जैन के निर्देशन में बनी यह फिल्म छत्तीसगढ़ी संस्कृति, पारिवारिक मूल्यों और सामाजिक संदेशों का शानदार मिश्रण है, जो दर्शकों को एक बार फिर थिएटर्स की ओर खींचने का वादा करती है।

'मोर छइयां भुइयां 3' एक पारिवारिक ड्रामा और एक्शन से भरपूर फिल्म है, जो छत्तीसगढ़ी परिवेश को जीवंत करती है। ...विगत दिनों जारी हुवे गानों को दर्शकों द्वारा खूब पसंद किये जा रहे फिल्म का ह्लह्डुद्बद्यद्ह भी धूम मचा रहा है

फिल्म में मुख्य नायकों की भूमिका में मन कुरैशी, दीपक साहू, और लक्षित झांजी नजर आएंगे, जबकि नायिकाओं के रूप में ऐल्सा घोष, ऋचा दीक्षित, दीक्षा जायसवाल, और इशिका यादव दर्शकों का दिल जीतने को तैयार हैं। खलनायकों की भूमिका में नितिन ग्वाला, क्रांति दीक्षित, और धर्मेंद्र चौबे दमदार अभिनय के साथ कहानी में रोमांच जोड़ेंगे।

फिल्म में अन्य उल्लेखनीय कलाकारों में सुपर स्टार प्रकाश अवस्थी, सुरेश गोडाले, मनोज जोशी, अंजली सिंह, सुमित्रा साहू, संजय महानंद, पूरन किरी, उपासना वैष्णव, अनुराधा दुबे, विवेक चंद्रा, शीतल शर्मा, और छोटे लाल साहू व बाल कलाकार में अजमत फरीदी, अक्ष सोनी, आद्य साहू सहित कई प्रतिभाशाली चेहरे शामिल हैं। कुल 40 से अधिक कलाकारों की मौजूदगी होगी सह-निर्माता ललित सिन्हा और कार्यकारी निर्माता आलेख चौधरी ने प्रोडक्शन को भव्यता प्रदान की है। फिल्म मेकिंग में लाइन producer के रूप मे सुनील साहू ...ने अपनी अदभुद क्षमता का परिचय दिया है ,छायांकन सिद्धार्थ सिंह ने किया है, संगीत सुनील सोनी का है, जिसमें स्वर्गीय लक्ष्मण मस्तुरिया, सतीश जैन, और गिरवर दास मानिकपुरी के गीत शामिल हैं। गायकों में सुनील सोनी, अनुराग शर्मा, मनोज वर्मा, गोरेलाल बर्मन, अनुपमा मिश्रा, कंचन जोशी, चंपा निषाद, और मोनिका सोनी जैसे नाम जो फिल्म के गानों को यादगार बनाता है। कोरियोग्राफी चंदन दीप, एक्शन कुन्ड्राथुर एस. बाबू, और संपादन तुलेन्द्र पटेल ने किया है, जो फिल्म को तकनीकी रूप से मजबूत बनाते है

सतीश जी ने बताया कि पार्ट 3 में हमने नई कहानी और आधुनिक प्रस्तुति के साथ दर्शकों को कुछ खास देने की कोशिश की है। साथ हीसाथ. यह फिल्म आज के सामाजिक और पारिवारिक मुद्दों को छूती है, और छत्तीसगढ़ी दर्शकों के दिलों में जगह बनाएगी।

कर्नल सोफिया कुरैशी पर टिप्पणी: कांग्रेस ने फूंका मंत्री विजय शाह का पुतला

रायपुर(समय दर्शन)। मध्यप्रदेश के मंत्री विजय शाह द्वारा सेना की अधिकारी कर्नल सोफिया कुरैशी पर की गई अमर्यादित टिप्पणी के विरोध में छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन किया। असंगठित क्षेत्र एवं समस्या निवारण प्रकोष्ठ के प्रदेश अध्यक्ष मोहम्मद सिद्दीक और प्रदेश कांग्रेस महामंत्री कन्हैया अग्रवाल के नेतृत्व में राजीव गांधी चौक पर विजय शाह का पुतला दहन किया गया। मोहम्मद सिद्दीक ने कहा, सेना और सैनिकों का अपमान अक्षम्य अपराध है। विजय शाह का बयान हमारे वीरों के मनोबल पर चोट है। ऐसे व्यक्ति को मंत्री पद से तत्काल हटाकर विधानसभा से निष्कासित किया जाना चाहिए। कन्हैया अग्रवाल ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए कहा, 24 घंटे बाद भी कोई कार्रवाई न होना इस बात का संकेत है कि विजय शाह की सोच ही भाजपा की असली सोच है। ऐसे व्यक्ति को सिर्फ मंत्रिमंडल से बर्खास्त नहीं, बल्कि जेल भेजा जाना चाहिए। प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने विजय शाह मुर्दाबाद, सेना का अपमान नहीं सहेंगे, भाजपा होश में आओ जैसे नारे लगाए। पुतला दहन के बाद पुलिस बल भी मौके पर तैनात रहा।

एयरटेल ने दुनिया का पहला फ्रॉड डिटेक्शन सॉल्यूशन किया लॉन्च

रायपुर: स्पैम के खिलाफ अपनी लगातार लड़ाई को आगे बढ़ाते हुए, एयरटेल ने एक अत्याधुनिक समाधान लॉन्च किया है, जो सभी कम्युनिकेशन ओवर - द - टॉप (OTT) ऐप्स और प्लेटफॉर्म्स- जैसे ईमेल, ब्राउज़र, व्हाट्सएप, टेलीग्राम, फेसबुक, इंस्टाग्राम, एसएमएस आदि, पर फ्रॉड और मैलिशियस वेबसाइट्स को रियल टाइम में पहचान कर ब्लॉक कर देगा। यह सुरक्षित सेवा सभी एयरटेल मोबाइल और ब्रॉडबैंड ग्राहकों के लिए बिना किसी अतिरिक्त शुल्क के स्वचालित रूप से सक्रिय कर दी जायेगा द्य जब कोई ग्राहक ऐसी वेबसाइट खोलने की कोशिश करता है, जिसे एयरटेल की सिक्योरिटी सिस्टम ने 'मैलिशियस' के रूप में फ्लैग किया है, तो उस वेबसाइट का पेज लोड नहीं होता, इसके बजाय, ग्राहक को एक नए पेज पर रीडायरेक्ट किया जाता है, जहां ब्लॉक किए जाने का कारण स्पष्ट रूप से बताया जाता है। डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के देशभर में तेजी से विस्तार के चलते ऑनलाइन फ्रॉड का खतरा हर दिन बढ़ रहा है, जिससे उपभोक्ताओं पर गंभीर जोखिम मंडरा रहा है। हाल के दिनों में ऐसे खतरों में जबरदस्त वृद्धि देखी गई है। फ्रॉड स्कीमें अब केवल ओटीपी या फर्जी कॉल तक सीमित नहीं रहीं, बल्कि हालिया रिपोर्ट्स बताती है कि लाखों लोग अब मैलिशियस ऑनलाइन स्कैम्स का शिकार हो रहे हैं। स्थिति की गंभीरता को समझते हुए, एयरटेल ने एक एआई - आधारित, मल्टी-लेयर इंटेलिजेंस प्लेटफॉर्म तैयार किया है, जो ग्राहकों को सभी प्रकार के स्कैम और फ्रॉड से सुरक्षा प्रदान करेगा।

राष्ट्रीय जनता दल (राजद) सांसद तेजस्वी यादव ने पटना एयरपोर्ट पर शहीद जवान रामबाबू प्रसाद को श्रद्धांजलि दी.

एचडीएफसी बैंक ने भारत के बढ़ते एमएसएमई उद्यमों को सशक्त बनाने के लिए 'बिज+ करंट एकाउंट्स' लॉन्च किए

मुंबई: भारत के अग्रणी निजी क्षेत्र के बैंक एचडीएफसी बैंक ने चालू खाता जमा में अपने नए 'बिज+ करंट एकाउंट्स' के लॉन्च की घोषणा की है। यह भारतीय व्यवसायों की उभरती जरूरतों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए चालू खाता पेशकशों के एक नई पहल है। खातों की इस रेंज का उद्देश्य पहले दिन से ही पूरे बैंक को ग्राहक तक लाकर व्यवसायों को सशक्त बनाना है। प्रत्येक बिज+ चालू खाता नकद प्रबंधन सेवाओं, सहज डिजिटल बैंकिंग प्लेटफ़ॉर्म और समर्पित बैंक/रिलेशनशिप मैनेजर सहायता सहित मुख्य लाभों से सुसज्जित है, साथ ही ऐसे बंडल समाधान भी हैं जो व्यवसायों की बैंकिंग आवश्यकताओं की पूरी श्रृंखला को संबोधित करते हैं। नए बैंक चालू खाता ग्राहकों के लिए नई पेशकश का एक प्रमुख आकर्षण पहले वर्ष के लिए पहले दिन से ही व्यापक व्यवसाय और भुगतान सुरक्षा बीमा कवरेज को शामिल करना है। इससे व्यवसाय मालिकों को अप्रत्याशित जोखिमों से अपने उद्यमों की रक्षा करने में मदद मिलती है। बैंक ने बिज़+करंट एकाउंट्स के अंतर्गत एक उम्दा स्तरीय संरचना पेश की है, जो व्यवसाय यात्रा के विभिन्न चरणों को पूरा करने के लिए डिज़ाइन किए गए चार अलग-अलग वेरिएंट पेश करता है:

एसबीआई कार्ड और अपोलो हेल्थको ने की साझेदारी; अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्ड पेश किया

नई दिल्ली: एसबीआई कार्ड, भारत के सबसे बड़े प्योर-प्ले क्रेडिट कार्ड जारीकर्ता और अपोलो हेल्थको, जो अपोलो फ़ार्मेसी - भारत का सबसे बड़ा खुदरा फ़ार्मेसी नेटवर्क और अपोलो 2477 - देश का अग्रणी ओमिनी-चैनल डिजिटल स्वास्थ्य प्लेटफ़ॉर्म संचालित करता है, ने आज एक अद्वितीय, स्वास्थ्य और वेलनेस पर केंद्रित को-ब्रांडेड क्रेडिट कार्ड - अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्ड पेश करने के लिए अपनी रणनीतिक साझेदारी का विस्तार किया है। यह अपनी तरह का प्रीमियम क्रेडिट कार्ड आज के स्वास्थ्य के प्रति जागरूक उपभोक्ताओं की बदलती जरूरतों को पूरा करने के लिए सोच-समझकर डिजाइन किया गया है, जो स्वास्थ्य सेवा बचत और वित्तीय रिवार्ड्स का एक आकर्षक मिश्रण पेश करता है। ग्राहक अपोलो 2477 ऐप पर डिजिटल रूप से इस कार्ड के लिए आसानी से आवेदन कर सकते हैं और एसबीआई कार्ड वेबसाइट SBI Card.com पर जाकर एसबीआई कार्ड स्प्रिंट के माध्यम से आवेदन करने का विकल्प चुन सकते हैं। ग्राहक चुनिंदा अपोलो फ़ार्मेसी स्टोर पर भी कार्ड के लिए आवेदन कर सकते हैं। अपोलो एसबीआई कार्ड सेलेक्ट कार्डधारक अपोलो 2477 ऐप और अपोलो फ़ार्मेसी स्टोर के माध्यम से फ़ार्मेसी उत्पादों, स्वास्थ्य जांच पैकेजों, रक्त परीक्षणों और अन्य सहित लेनदेन पर एक रिवार्डिंग खरीदारी अनुभव का आनंद लेते हैं। कार्डधारकों को रिवॉर्ड पॉइंट के रूप में 10% वापस मिलता है, और इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य क्रेडिट के रूप में 15% तक वापस मिलता है, जिससे उन्हें कुल 25% तक का मूल्य वापस मिलता है। रिवॉर्ड पॉइंट्स को हेल्थ क्रेडिट में बदला जा सकता है, जिसे अपोलो 2477 ऐप और अपोलो फ़ार्मेसी स्टोर की संपूर्ण उत्पाद श्रृंखला में भुनाया जा सकता है।

राजधानी में नल शुरू होते ही विद्युत कटौती से लोक परेशान

शंकर नगर, ब्राह्मण पारा वार्ड के नागरिकों की गंभीर शिकायतें

नेता प्रतिपक्ष आकाष तिवारी ने समस्या का निदान करने की मांग की महापौर से

रायपुर(समय दर्शन)। नगर निगम रायपुर के नेता प्रतिपक्ष आकाश तिवारी ने कहा कि निगम प्रषासन द्वारा नल शुरू होते हुए विद्युत कटौती किए जाने से विभिन्न वार्डों के नागरिकों को परेशानी हो रही है। पास कॉलोनी शंकर नगर वार्ड में भी पानी नहीं आने से लोग परेशान हैं। शंकर नगर ब्राह्मण पारा, वामनराव लाखेवार्ड, खूबचंद बघेल वार्ड एवं माधवराव सप्रे वार्ड के पार्षदों ने बताया कि जब से नगर निगम प्रशासन द्वारा विद्युत कटौती का आदेश जारी किया गया है तब से इन वार्डों में पानी का संकट व्याप्त है। सम्पन्न इलाका कहे जाने वाले शंकर नगर वार्ड के एचआईजी 21 से लेकर 30 तक के नागरिकों का कहना है कि जब से बिजली कटौती का आदेश हुआ तब से यहां पर पानी की आपूर्ति नहीं हो पा रही है। वार्ड के पार्षद राजेश गुप्ता ने बताया कि लोगों की शिकायत मिलने पर टैंकर भेजा जा रहा हैं। यहां के कई स्थानों पर पानी की आपूर्ति सामान्य करने के लिए गढ्डे खोदे गए हैं। वहीं महामाया वार्ड की पार्षद जयश्री नायक ने शिकायत की है कि वार्ड में पानी की किल्लत है, यहां पर टैंकरों से पानी आपूर्ति की जाती है, जल कार्य प्रभारी संतोष साहू ने बताया कि कुल मिलाकर 30 से अधिक टैंकर चलाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि जिन वार्डों में पानी नहीं पहुंच पा रहा है वहां विद्युत कटौती कर पानी पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। नगर निगम के कार्यपालन यंत्री फि ल्टर प्लांट ने बताया कि राजधानी में नल खुलते ही बिजली कटौती किए जाने की सकारात्मक परिणाम आ रहे हैं। महापौर मिनल चैबे इस समय विभिन्न समाधान शिविरों में जा रही है, वहां लोगों को आश्वत किया है कि पेयजल समस्या से निदान दिलाया जाएगा। ब्राह्मण पारा के अलावा बाहरी क्षेत्रों में भी पेयजल संकट व्याप्त है। इसे हल करने का प्रयास किया जा रहा है। नगर निगम के अधिकारी इस समय ब्राह्मण पारा सहित अन्य वार्डों में पेयजल से ग्रस्त लोगों से बातचीत कर रहे हैं। नई पाईप लाईन बिछाने का काम किया जा रहा है।

संपादकीय

पटाखों के पूर्ण-प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो

सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली एनसीआर में पटाखों पर सख्ती से प्रतिबंध लगाने को कहा है वरना अवमानना की कार्रवाई होगी। अदालत ने उप्र, राजस्थान और हरियाणा सरकार से पर्यावरण संरक्षण अधिनियम के तहत निर्देश जारी करने को कहा है, जिसमें पटाखों का निर्माण, बिक्री, भंडारण और ऑनलाइन उपलब्धता पर पूर्ण प्रतिबंध लगे। कोर्ट ने ईपीए की धारा 5 के तहत जारी निर्देशों को राज्यों के सभी कानून प्रवर्तन तंत्रों के माध्यम से सख्ती से लागू करने की बात की। पटाखों को पूर्णतया प्रतिबंधित करने के बावजूद विभिन्न त्योहारों और हर्षोल्लास वाले मौकों पर आतिशबाजी रोकने में सरकार बुरी तरह असफल नजर आ रही है। वायु, जल, कचरा, उद्योग से पहले ही प्रदूषण बहुत है, जिसमें मिल कर पटाखा प्रदूषण मानव जीवन के लिए खतरा बढ़ाने वाला साबित होता है। पटाखा उत्पादन में भारत चीन के बाद दुनिया में दूसरे स्थान पर है, जिसमें सबसे ज्यादा पटाखे (तकरीबन 85त्न) तमिलनाडु के शिवकाशी में बनते हैं। वहां पांच सौ से अधिक इकाइयों में छोटे-बड़े पटाखों का निर्माण होता है। शीर्ष अदालत पहले भी दिल्ली एनसीआर ही नहीं, बल्कि पूरे देश में पटाखों पर रोक लगाने की बात कह चुकी है। बावजूद पटाखों की बिक्री साल-दर-साल बढ़ती जा रही है। अंदाजे के अनुसार, गये साल पटाखों की खुदरा बिक्री छह हजार करोड़ रुपये तक पहुंच गई थी। उप्र, बिहार और गुजरात में इनकी जबरदस्त मांग है। पटाखे जलाने और इनसे पर्यावरण को नुकसान को लेकर जनजागरूकता जरूरी है। हालांकि इसमें प्रसिद्ध शख्सियतों समेत राजनीतिक हस्तियों और बड़े दलों को आगे आना होगा और उनके यहां होने वाले उत्सवों/हर्षोन्माद के दौरान पटाखों को सख्ती से प्रतिबंधित करना होगा। पटाखा उद्योग ने बेशक, लाखों लोगों को रोजगार दिया है, मगर उसे सीमित किए बगैर आतिशबाजी की बिक्री थामना दुष्कर होगा। प्रदूषण के चलते होने वाले घातक रोगों की रोकथाम के लिए आवश्यक है कि कुछ कड़े कदम फौरन उठाए जाएं। अदालत की बार-बार घुड़की के बावजूद सरकारों और प्रशासन के कानों में जूं रेंगती नहीं नजर आ रही, बल्कि जब भी पटाखों के खिलाफ अभियान चलाया जाता है, या कोई शख्सियत आवाज उठाती है, तो जनता उल्टा उस पर कटाक्ष करने और ट्रोलिंग करने पर उतारू हो जाती है। युवाओं और किशोरों के बीच पटाखों के दुष्परिणामों पर खुल कर चर्चा हो और राज्य सरकारों पर पटाखों के पूर्ण-प्रतिबंध पर केंद्र मुस्तैद हो।

पाकिस्तानियों का सरकार और सेना पर से भरोसा टूटा

हरिशंकर व्यास

वहीं दूसरी ओर पाकिस्तान में लोगों का सरकार और सेना पर भरोसा टूटा। उसकी सैन्य कार्रवाईयों के किसी भी दावे पर लोगों को भरोसा नहीं हो रहा है। सूत्रों ने पाकिस्तान के रक्षा मंत्री ख्वाजा आसिफ से पूछा कि उनके पास क्या सबूत है कि उनकी सेना ने भारत के लड़ाकू विमान को मार गिराया है तो उन्होंने कहा कि सोशल मीडिया देखिए। पाकिस्तान के एक सांसद ने इसे लेकर अपने रक्षा मंत्री का मजाक उड़ाया। इससे पहले दो मौकों पर 2016 और 2019 में भारतीय सेना की कार्रवाई पर भारत में सवाल उठे थे और सबूत मांगे गए थे। इस बार भारत में पूरा देश एकजुट है, जबकि पाकिस्तान में उसकी सेना की कार्रवाई के सबूत मांगे जा रहे हैं। पाकिस्तान में कैसे लोगों का मनोबल गिरा हुआ है इसकी एक मिसाल पाकिस्तानी संसद में देखने को मिली, जब भारत के 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद संसद में प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ की पार्टी पीएमएलएन के एक सांसद फूट फूटकर रोने लगे। पाकिस्तानी सांसद ताहिर इकबाल ने रोते हुए संसद में कहा, 'या खुदा आज बचा लो। दुआ करते हैं कि अल्लाह हमारे मुल्क की हिफाजत करे और हमें आपस में जोड़कर रखे'। हालांकि उन्होंने भी धर्म के आधार पर ही देश को बचाने की अपील की और कहा कि अल्लाह ने यह मुल्क अता किया है। इसके बावजूद लोगों में जोश नहीं लौट रहा है। एक पूर्व पाकिस्तानी सांसद का वीडियो सोशल मीडिया में वायरल हो रहा है, जिसमें वे कह रहे हैं कि मोदी कोई उनकी खाला का लड़का है, जो उनके कहने पर युद्ध रोका देगा। इसके आगे वे कहते हैं कि युद्ध होगा तो देश छोड़ कर विदेश भाग जाएंगे। जाहिर है पाकिस्तान के लोगों को अपनी सरकार और सेना पर भरोसा नहीं है कि वह उनकी रक्षा कर पाएगी। बहरहाल, पाकिस्तान के सांसद के रोने के वीडियो वायरल होने के बाद देखने को मिला कि पाकिस्तान के न्यूज चैनल अपने नेताओं और नागरिकों का भरोसा बढ़ा रहे हैं। वे नेताओं से कह रहे हैं कि वे रो कर अपनी कमजोरी नहीं जाहिर करें। लेकिन पाकिस्तान का रोना पीटना बंद नहीं हो रहा है। इस बीच पाकिस्तान के इकोनॉमिक अफेयर डिवीजन के एक्स हैंडल से दुनिया के देशों से कर्ज मांगने की पोस्ट वायरल हो गई। पाकिस्तान की आर्थिक हालत का हवाला देकर कर्ज मांगा जा रहा था। पोस्ट वायरल होने के बाद पाकिस्तान की ओर से कहा गया है कि उसका हैंडल हैक हो गया है और पोस्ट फर्जी है। लेकिन पाकिस्तान के ही लोग मान रहे हैं कि यह पोस्ट सही हो सकती है क्योंकि देश कंगाली की हालत में है। गौरतलब है कि पाकिस्तान के पास 15 अरब डॉलर की विदेशी मुद्रा, जबकि उसको एक साल में 30 अरब डॉलर का कर्ज चुकाना है। बहरहाल, छह और सात मई की दरम्यानी रात को भारत की ओर से किए गए 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद पाकिस्तान ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लगाई गई पाबंदी हटा दी है। कोई 15 महीने पहले पाकिस्तान ने एक्स पर पाबंदी लगाई थी। उसका कहना है कि सोशल मीडिया में पाकिस्तान विरोधी नैरेटिव चल रहा है, जिसका उसको जवाब देना है। उसने पांच सौ अकाउंट बंद भी किए हैं। अब यह पता लगाया जा रहा है कि ये हैंडल संचालित कर रहे लोग पाकिस्तान के ही हैं या बाहर से कहीं से इन्हें संचालित किया जा रहा है। असल में पाकिस्तान का सोशल मीडिया भारत की सैन्य कार्रवाई और बलोच विद्रोही सेना द्वारा पाकिस्तानी फौज पर किए जा रहे हमले से भरा है। इतना ही नहीं ऐसा लग रहा है कि पाकिस्तान का शासन अपने लोगों को भारत के खिलाफ भड़काने में लगा है।

साइबर हमलों से सावधान रहने की जरूरत !

सुनील कुमार महला

पाकिस्तान के आतंकियों द्वारा 22 अप्रैल 2025 को जम्मू-कश्मीर के पहलगाम आतंकी हमले के बाद, भारत द्वारा पाकिस्तान के 9 एवं 12 अन्य, कुल 21 आतंकी ठिकानों पर आपरेशन 'सिंदूर' द्वारा ताबड़तोड़ कार्रवाई करने एवं अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड जे. ट्रंप की दोनों देशों (भारत-पाकिस्तान) के बीच सीजफायर रोकने हेतु मध्यस्थता की बातचीत के बाद हालांकि, भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा हो चुकी है, लेकिन अभी भी दोनों देशों के बीच सीमा पर कहीं न कहीं तनाव जारी है। इसी तनाव के बीच भारत सरकार ने, पाकिस्तान द्वारा भारत पर बड़े साइबर अटैक की आशंकाओं के चलते एक एडवायजरी जारी की है और आम जनता, विभिन्न संस्थानों(सरकारी और निजी) को इससे पूरी तरह से सावधान व जागरूक रहने के लिए कहा गया है। मीडिया रिपोर्ट्स में आया है कि भारत के पाकिस्तान पर 'ऑपरेशन सिंदूर' के बाद से कई महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचा प्रणालियों और सरकारी वेबसाइटों पर लगातार साइबर हमले हुए हैं। वास्तव में, इन साइबर हमलों का मुख्य उद्देश्य आवश्यक सार्वजनिक सेवाओं को बाधित करना और सरकारी प्लेटफार्मों की विश्वसनीयता को कम करना है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि साइबर युद्ध को आम तौर पर साइबर हमले या हमलों की श्रृंखला के रूप में परिभाषित किया जाता है, जो किसी देश को निशाना बनाते हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि इसमें सरकारी और नागरिक बुनियादी ढांचे पर कहर बरपाने और महत्वपूर्ण प्रणालियों को बाधित करने की क्षमता होती है, जिसके परिणामस्वरूप राष्ट्र को नुकसान होता है। यहां यदि हम साइबर हमलों के प्रकारों की बात करें तो इनमें क्रमश: जासूसी(संवेदनशील जानकारी को बॉटनेट या स्पीयर फ़िशिंग हमलों का इस्तेमाल करके चुराना), विभिन्न संवेदनशील जानकारी व सूचनाओं के साथ छेड़छाड़/उसे तोड़ मरोड़ कर प्रस्तुत करना, डेटा चोरी करना आदि को शामिल किया जा सकता है। इतना ही नहीं,हमलावर बुनियादी ढांचे को नुकसान पहुंचा सकते हैं। दूसरे शब्दों में कहें तो, पावर ग्रिड पर हमले से संचार तक बाधित हो सकता है, जिससे इंस्टेंट मैसेज और इंटरचेंज जैसी सेवाएं बेकार हो सकती हैं। अचानक हमला, प्रोपेगंडा हमला, आर्थिक व्यवधान भी साइबर हमलों के ही प्रकार हैं। इतना ही नहीं,हमलावर विश्वास, भय, जिज्ञासा या तत्परता जैसी मानवीय विशेषताओं का फायदा उठाकर व्यक्तियों को धोखा देकर संवेदनशील जानकारी प्राप्त कर लेते हैं, और अनधिकृत पहुंच प्रदान कर देते हैं या सुरक्षा से समझौता करने वाली अन्य गतिविधियां करते हैं। पाठकों को बताता चलूं कि भारत की कंप्यूटर इमरजेंसी रिस्पॉन्स टीम (ष्टश्वक्रञ्ज-ढ्ढ) ने एक स्पेशल एडवाइजरी जारी करके वित्त(फाइनेंशियल सैक्टर)और अन्य

महत्वपूर्ण क्षेत्रों को अपनी साइबर सुरक्षा मजबूत करने की सलाह दी है। दरअसल, भारत सरकार ने निजी व सरकारी संस्थानों, विशेष रूप से फाइनेंशियल सैक्टर को अपने साइबर मैकेनिज़्म को बेहतर बनाने के साथ ही लगातार सतर्क व सजग रहने की सलाह दी है। इस बात की पूरी आशंकाएं जताई गईं हैं, कि पाकिस्तान अनजान नंबरों और विभिन्न सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स के जरिए भारत पर कभी भी कोई साइबर अटैक कर सकता है। ऐसे में जरुरत इस बात की है, कि लोगों को अपने वाट्सऐप, फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम,एक्स जैसे सोशल मीडिया अकाउंट्स पर आने वाले किसी भी अनजान, संदिग्ध लिंक, इ-मेल या पीडीएफ,एपीके फाइल, पाकिस्तानी डोमेन लिंक, यूआरएल को ओपन नहीं करना चाहिए, क्यों कि इसके जरिए भारत पर पाकिस्तान साइबर अटैक(फिशिंग व मैलवैयर अटैक) कर खतरा पैदा कर सकता है। साइबर एक्सपर्ट बताते हैं कि, पाकिस्तानी हैकर्स ने इस मैलवेयर अटैक को 'डांस ऑफ द हिलेरी' नाम दिया है। मीडिया में खबरें आईं हैं कि पाकिस्तानी हैकर्स इस मैलवेयर को हैकर्स मैसेज, इ-मेल, सोशल मीडिया हैंडल्स और विभिन्न ग्रुप्स में भेज रहे हैं। ऐसे में साइबर अटैक से बचने के लिए सावधानी ही सबसे बड़ी सुरक्षा है। इसलिए, हमें अपने स्मार्टफोन और कंप्यूटर के ऑपरेटिंग सिस्टम और ऐप्स हमेशा अपडेट रखने की आवश्यकता है। वास्तव में, हमें यह चाहिए कि हम अपनी डिवाइसों(कंप्यूटर , लैपटॉप एंड्रॉयड मोबाइल फोन आदि) में हमेशा टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन (2एफए) को ऑन रखें तथा डिवाइस में एंटी स्पाइवेयर सॉफ्टवेयर इंस्टाल करें।कोई भी अनजान एप्लिकेशन आदि को अपने एंड्रॉयड फोन और टैबलेट/लैपटॉप आदि में इंस्टॉल न करें।एंटीवायरस और फायरवॉल इंस्टॉल करें और एक्टिव रखें।कहना ग़लत नहीं होगा कि पाकिस्तान सीमा पर तनातनी के बाद किसी भी एंड्रॉयड स्मार्टफोन या पीसी को हैक कर सकता है, जो हमारे देश की सुरक्षा के लिए एक बड़ा व गंभीर खतरा हो सकता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि पाकिस्तान पहले भी कई बार भारत पर साइबर हमले कर चुका है और यहां यह कहना ग़लत नहीं होगा कि वह इस बार भी अपनी नापाक व तुच्छ हरकतों से बाज नहीं आएगा। वैसे, यहां यह भी उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान से किसी भी साइबर हमले के खतरे को लेकर हमारे देश की सभी सुरक्षा एजेंसियां पूरी तरह से मुस्तैद और सक्रिय हैं, लेकिन फिर भी हमें यह चाहिए कि हम अपनी तरफसे इस खतरे से निपटने के लिए पूरी तरह से तैयार और सजग रहें। वास्तव में,साइबर हमले का सीधा असर ऑनलाइन काम करने वाले लोगों पर पड़ता है। इस तरह के हमलों में अक्सर डेटा, सूचनाएं आदि चुराने से लेकर वायरस आदि डालकर डिवाइस को करप्ट करने तक की घटनाएं होतीं हैं। हम साइबर हमले का शिकार न होने पाएं, इसके लिए हमें अपनी डिवाइस में पासवर्ड को बहुत मजबूत सेट करना चाहिए, ताकि हैकर्स किसी भी तरह से हमारे पासवर्ड के बारे में पता न लगा सकें। साइबर हमलों से बचने के लिए हमें किसी भी अनजान लिंक, टेक्स्ट मैसेज आदि की जानकारी तुरंत साइबर सैल हेल्पलाइन 1930 में देनी चाहिए।साथ ही साथ, मोबाइल फोन से ऑटो डाउनलोड का ऑप्शन भी बंद होना चाहिए, ताकि अपने आप कोई भी एप आदि डाउनलोड न हो सके। हमें यह पता होना चाहिए कि +92 कंट्री कोड वाले मैसेज, कॉल किसी भी तरह के भेजे गए लिंक पर हमें किसी भी हाल और परिस्थितियों में क्लिक नहीं करना है, क्योंकि यह नंबर पाकिस्तान का है। हमें अपने फोन या कंप्यूटर के फर्मवेयर को हमेशा अपडेट रखना चाहिए। लेटेस्ट अपडेट में वायरस और हैकिंग से प्रोटेक्शन के लिए सिक्योरिटी पैच मिलती है। इसलिए समय-समय इसके अपडेट को इंस्टॉल करना जरूरी है। पाठकों को बताता चलूं कि डिवाइस को लंबे समय तक अपडेट न रखने से उसका प्रोटेक्शन कम हो जाता है। साइबर अपराधी हमारे फोन के पुराने बग्स और सिक्योरिटी गैप का फायदा उठाकर हमारे फोन में घुस सकते हैं और विभिन्न जानकारियां आसानी से जुटा सकते हैं। अत:, हमें यह चाहिए कि हम इस बात का ध्यान रखें कि, हम किसी भी तरह की पीडीएफ फाइल और एपीके फाइल ओपन ना करें, जिस लिंक के आखिर में .श्द्य के लिखा हो उस लिंक को कभी भी ओपन ना करें।वास्तव में आज के इस युग में साइबर लिट्रेसी बहुत आवश्यक है। सच तो यह है कि हमें देशव्यापी डिजिटल जागरूकता अभियान की जरूरत है। आज के समय में अमेरिका, ब्रिटेन और सऊदी अरब, फ्रांस , जापान, चीन जैसे देश साइबर सुरक्षा उपायों में अग्रणी होने में महत्वपूर्ण प्रगति कर रहे हैं। कहना ग़लत नहीं होगा कि आज जैसे-जैसे दुनिया डिजिटल युग में आगे बढ़ रही है, वैसे-वैसे साइबर हमले भी दुनिया भर में तेजी से परिष्कृत और चुनौतीपूर्ण होते जा रहे हैं। आज भारत की जनसंख्या विश्व में सर्वाधिक है और आज भारत 'डिजिटल क्रांति' में प्रवेश कर चुका है। इंटरनेट का व्यापक उपयोग होने के कारण, हमें विशेष रूप से सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। यह ठीक है कि आज हमारा देश अपने विनियामक ढांचे को बढ़ाने, उन्नत साइबर सुरक्षा तकनीकों को अपनाने और रणनीतिक सहयोग और पहल को बढ़ावा देने के लिए सक्रिय रूप से काम कर रहा है तथा भारत की साइबर सुरक्षा यात्रा में एक उल्लेखनीय उपलब्धि अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आइटीयू) द्वारा प्रकाशित वैश्विक साइबर सुरक्षा सूचकांक (जीसीआइ) 2024 में टियर 1 का दर्जा प्राप्त करना है, तथा यह वैश्विक स्तर पर साइबर सुरक्षा के लिए देश की मजबूत प्रतिबद्धता को रेखांकित करता है, लेकिन बावजूद इसके हमें बहुत ही सतर्कता बरतने की आवश्यकता है। यहां पाठकों को बताता चलूं कि 22 अप्रैल 2025 को पहलगाम में हुए आतंकी हमले के बाद, महाराष्ट्र साइबर सेल द्वारा यह जानकारी दी गई थी कि भारत पर 10 लाख से अधिक साइबर हमले दर्ज किए गए। महाराष्ट्र साइबर ने पाया है कि इस आतंकी हमले के बाद डिजिटल हमले की घटनाओं में वृद्धि हुई है। उपलब्ध जानकारी के अनुसार भारतीय वेबसाइटों और पोर्टलों को निशाना बनाकर किए गए ये हमले पाकिस्तान, मध्य पूर्व, इंडोनेशिया और मोरक्को से किए गए थे। यह भी सामने आया है कि कई हैकिंग समूहों ने इस्लामवादी समूह होने का भी दावा किया है? उल्लेखनीय है कि इन साइबर हमलों के पीछे पाकिस्तानी हैकर समूह जैसे 'एचएओएक्स 1337', 'नेशनल साइबर क्रू', और 'पाकिस्तान साइबर फोर्स' का नाम सामने आया है। यहां पाठकों को यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि हाल ही में जिस 'डांस ऑफ द हिलेरी' को लेकर चेतावनी जारी की गई है, यह वायरस न केवल पर्सनल, बल्कि बैंकिंग जानकारी तक चुराता है तथा इससे डिवाइस विशेष को भी गंभीर नुकसान पहुंच सकता है। गौरतलब है कि यह डांस वीडियो नहीं, बल्कि एक मैलवेयर है।

शानदार जीत से भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति बना

ललित गर्ग

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर जारी तनाव एवं युद्ध की स्थितियों के बीच भारत ने बड़ा ऐलान करते हुए सीज फायर लागू किया। चार दिन चले सैन्य संघर्ष में परिस्थितियां और भी ज्यादा नाजुक हो गई थीं एवं पाकिस्तान की भारी तबाही हुई। दोनों परमाणु सम्पन्न देशों के बीच के बढ़ते तनाव के बीच समझौते के बाद भले ही पाकिस्तान के विनाश का सिलसिला थम गया हो, लेकिन उसकी एक भूल भारी का सबब बन सकता है। क्योंकि भारत ने यह बड़ा फैसले लेते हुए कहा था कि भविष्य में उसकी जमीन पर किसी भी आतंकवादी हमले को भारत के खिलाफयुद्ध की कार्रवाई माना जाएगा और उसकी गोली का जवाब गोले से दिया जाएगा। पाकिस्तान की फितरत को देखते हुए भारत सरकार एवं भारतीय सेना अधिक चौकस, सावधान एवं सतर्क रहते हुए संघर्ष-विराम के लिये यदि सहमत हुई है तो उसका स्वागत होना चाहिए। जब भारत ने पाकिस्तान को सबक सिखाकर कड़ा संदेश दे दिया तो संघर्ष विराम को एक समझदारी भरा फैसला ही माना जायेगा। यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर, विनाशकारी एवं विध्वसंक होगा। शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है। तभी भारत ने स्पष्ट किया है कि पाक के साथ बातचीत राजनीतिक, ईएएम स्तर पर या एनएसए के बजाय सिर्फ डीजीएमओ स्तर पर ही होगी।

पाकिस्तान को परमाणु ठिकानों पर हमले का डर सता रहा था, भय एवं डर की इन स्थितियों के बीच पाकिस्तान ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से सहयोग मांगा एवं युद्ध विराम के लिये अपनी सहमति दी, भारत ने अपनी शर्तों पर, पाकिस्तान को झटका देने के बाद इस सीज फायर पर सहमति जताई है तो यह भारत का बडप्पन है, उसकी बड़ी सोच का ही परिचायक है और भारत की कूटनीतिक जीत है। एक बार फिर पाकिस्तान को उसकी जमीन दिखाई गयी है। दुनिया ने भी भारत की सैन्य पराक्रम एवं स्वदेशी हथियारों की ताकत को देखा और समझा है। एक बानगी भर में जब पाकिस्तान ने पुंछ और राजौरी समेत रिहायशी इलाकों को निशाना बनाया तो जवाबी कार्रवाई करते हुए भारतीय सेना ने भी पाकिस्तानी सेना के कई महत्वपूर्ण अड्डों को तबाह कर दिया। सेना ने रावलपिंडी समेत पाक सेना के 4 एयरबेस नष्ट

कर दिए। पाकिस्तान की फतेह मिसाइल को हवा में ही खत्म कर दिया गया। लाहोर एवं करांची सहित पाकिस्तान में अनेक स्थानों पर भारी तबाही से सहम गये पाकिस्तान ने घुटने टेक दिये। भारत ने उसके एयर डिफेंस सिस्टम की धज्जियां उड़ाकर जिस तरह उसके प्रमुख एयरबेस ध्वस्त किए, उसके बाद उसके सामने और अधिक तबाही एवं शर्मिंदगी झेलने के अलावा और कोई चारा नहीं रह गया था।

यह ठीक है कि सैन्य टकराव रोकने की घोषणा अमेरिकी राष्ट्रपति ने की, लेकिन इसका मूल कारण तो भारत का यह संकल्प रहा कि इस बार पाकिस्तान को छोड़ना नहीं है। भारत ने संघर्ष विराम केवल सैन्य टकराव रोकने तक सीमित रखकर कूटनीति एवं राजनीतिक परिपक्वता का ही परिचय दिया है। भारत ने पाकिस्तान को सही रास्ते पर लाने के लिए उसके खिलाफ सिंधु जल समझौते स्थगित करने जैसे जो कठोर फैसले लिए, वे यथावत रहेंगे। ये रहने भी चाहिए, क्योंकि धोखा देना एवं अपनी बात से बदलना पाकिस्तान की पुरानी आदत है। इस पर यकीन के साथ कुछ कहना कठिन है कि अब वह भारत में आतंक फैलाने से बाज आएगा। उसने और खासकर उसकी सेना ने भारत के प्रति जो नफरत पाल रखी है, उसके दूर होने में संदेह है। भारतीय नेतृत्व को पाकिस्तान के प्रति अपने संदेह से तब तक मुक्त नहीं होना चाहिए, जब तक वह आतंक से तौबा नहीं करता और कश्मीर राग अलापना बंद नहीं करता।

सीजफायर की कहानी 9-10 मई की रात से शुरू होती है, जब पाकिस्तान पर करारा पलटवार करते हुए भारतीय वायुसेना ने पाक सैन्य ठिकानों पर ब्रह्मोस-ए क्रूज मिसाइल दाग दी। इस दौरान रावलपिंडी के नूरखान, चकलाला और पंजाब के सरगोधा एयरबेस को निशाना बनाया गया। यह हमला रावलपिंडी में पाकिस्तानी सेना के मुख्यालय के बेहद करीब हुआ। इसके बाद पीओके में जकोबाबाद, भोलारी और स्कार्दू एयरबेस को भी तबाह किया गया। भारत के द्वारा पाकिस्तानी एयरबेस पर हमले से बौखलाए पाक को अगला निशाना उनके परमाणु कमांड और कंट्रोल इंफ्रास्ट्रक्चर पर होने का डर सताने लगा। ऐसे में पाकिस्तान ने अमेरिका से मदद मांगी। अमेरिका पहले से दोनों देशों के संपर्क में था। मगर, परमाणु की बात सुनकर अमेरिका भी हड़बड़ी में आ गया।

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल एवं सैन्य मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखलाए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा।

पाकिस्तान का यह आरोप बेबुनियाद है कि तनाव की शुरुआत भारत ने की। भारत ने पाकिस्तानी सेना के ठिकानों को अभी तक निशाना नहीं बनाया है। दरअसल, आतंकवाद के मामले में पाकिस्तान लंबे अरसे से दुनिया को गुमराह करता आया है। ताजा मामले में भी वह झूठ फैला रहा है कि भारत की स्ट्राइक उसके धार्मिक स्थलों पर हुई और इसमें आतंकी नहीं, आम नागरिक मारे गए हैं। यह झूठ दरअसल उसी साजिश का हिस्सा है, जिसके तहत आतंकियों ने टारगेटेड किलिंग करके भारत में सांप्रदायिक तनाव फैलाने का प्रयास किया था। सच्चाई तो यह है कि धर्म को आतंक से पाकिस्तान ने जोड़ा है। आतंकवादियों को पालना-पोसना और उनके जरिये छद्म युद्ध लड़ना पाकिस्तान की पुरानी आदत रही है, लेकिन इस बार वह जिस तरह आम लोगों का इस्तेमाल ढाल की तरह कर रहा है, वह निंदनीय एवं शर्मनाक होने के साथ-साथ चिंताजनक भी है। इससे उसकी हताशा झलकती है।

भारत का मकसद आतंकवाद का खात्मा है, युद्ध नहीं है। प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफबताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। पाकिस्तान के पास विकल्प बहुत ज्यादा नहीं हैं। उसकी अर्थव्यवस्था इस संघर्ष को लंबा झेल पाने में असमर्थ है, युद्ध को तो वह भूल ही जाए। इसके बाद भी अगर वह दुस्साहस करने की सोच रहा है, तो यह जरूरी हो जाता है कि उस तक पहुंचने वाली मदद को भी रोका जाए। उसे आईएमएफ से नए राहत पैकेज का इंतजार है और भारत सरकार इसका विरोध करेगी। दुनिया को समझ लेना चाहिए कि पाकिस्तान को मिलने वाली कोई भी मदद आखिरकार आतंक फैलाने में ही इस्तेमाल होगी।

कमर दर्द का कारण जानकर करें ये बेस्ट एक्सरसाइज

लोअर बैक पेन से मिलेगा छुटकारा

आप घर पर हैं, तो भी योग, वर्कआउट के जरिए खुद को शारीरिक और मानसिक रूप से फिट और हेल्दी रख सकते हैं। यदि आपको भी कमर दर्द रहने लगा है, तो इसके लिए आज से ही एक्सरसाइज करना शुरू कर दें वरना कमर दर्द की समस्या आगे चलकर आपके लिए मुसीबत बन सकती है। कई ऐसे एक्सरसाइज हैं, जो आपको चुस्त-दुरुस्त रखने के साथ ही पीठ, कमर दर्द से छुटकारा भी दिलाते हैं। हम आपको कुछ आसान से कमर दर्द को दूर करने वाले एक्सरसाइज के बारे में बता रहे हैं, इनका अभ्यास आप जरूर करें।

जब से कोरोना के कारण लोगों को घर पर रहकर ऑफिस का काम करना पड़ रहा है, लोगों में कई तरह की शारीरिक समस्याएं नजर आने लगी हैं। किसी का वजन बढ़ रहा है, तो किसी को पेट में जलन, गैस की समस्या हो रही है। अधिकतर लोग तो ऐसे हैं, जो पीठ और कमर दर्द की समस्या से ग्रस्त हो रहे हैं। ऐसा इसलिए, क्योंकि लॉकडाउन के कारण आपको घर से ज्यादा नहीं निकलना, तो आपके पास सिवाए बैठ-बैठे काम करने या टीवी देखने के अलावा कोई दूसरा विकल्प ही नजर नहीं आता है। लेकिन, ऐसा करके आप अपने ही शरीर को नुकसान पहुंचा रहे हैं।

1. कमर दर्द की समस्या को दूर करने के लिए आप सुपिन स्पाइनल ट्विस्ट करें। सबसे पहले पीठ के बल लेट जाएं। दोनों घुटनों को मोड़ें। ऊपर की तरफ लाएं। दोनों पैरों को बाईं तरफ और फिर दाईं तरफ मोड़ें। अब अपने दोनों पैरों को ऊपर की तरफ ले जाएं, फिर पैर को नीचे लाएं। इस प्रक्रिया को अपनी शारीरिक क्षमता के अनुसार दोहराएं। इससे कमर दर्द से काफी हद तक आराम मिलेगा।

2. कोबरा पोज करने से भी कमर दर्द से छुटकारा मिलता है। इसके लिए आप पेट के बल सो जाएं। अपने दोनों हाथों को सीने के पास लाएं। केहुनियां को पसलियों की तरफ रखें। अब गहरी सांस लेते हुए अपने सीने को ऊपर की तरफ उठाएं। कंधों को घुमाएं, अपने सिर को पीछे की तरफ ले जाएं। अब धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए सीने को नीचे ले आएं।

3. ब्रिज पोज के अभ्यास से भी कमर दर्द को चुटकी में दूर कर सकते हैं। फर्स पर योग मैट बिछाएं। उस पर लेट जाएं। अब पैरों के तलवे चटाई पर सटे रहें और दोनों घुटनों को उठाते हुए अपने शरीर से पुलनुमा आकार बनाएं। दोनों हाथ चटाई पर साइड में रखें। धीरे-धीरे सांस लेते हुए हिप्स को उठाने की कोशिश करें। जितना हो सकते हिप्स को उठाने की कोशिश करें और फिर धीरे-धीरे सांस छोड़ते हुए हिप्स को फर्श पर ले आएं।

ग्लोइंग स्किन और चमकदार बाल पाने के लिए इस्तेमाल करें

चावल फेस वॉश

चेहरे और बालों की सेहत को संवारने के लिए लोग तरह-तरह के ब्यूटी प्रोडक्ट इस्तेमाल करते हैं। इसके लिए काफी पैसा भी खर्च करते हैं। इन केमिकल युक्त प्रोडक्ट्स के ज़रिये कुछ समय की इंस्टेंट ब्यूटी भले ही चेहरे और बालों को मिल जाती हो लेकिन पोषण मिलना मुश्किल होता है। आज हम आपको एक ऐसी किफायती चीज के बारे में बताएंगे जिसको इस्तेमाल करने से फेस और हेयर ब्यूटी में निखार तो आएगा ही, साथ ही पोषण भी भरपूर मिलेगा। घर बैठकर आपकी फेस और हेयर ब्यूटी को बढ़ाने और इनको पोषण देने का काम करेगा चावल। जिसमें बिटामिन ए, बिटामिन सी, आयरन, फाइबर के साथ ही स्टार्च, एमिनो एसिड और कार्बोहाइड्रेट भी काफी मात्रा में होता है। चावल को फेस वाश, फेस पैक और हेयर मास्क के तौर पर किस तरह से इस्तेमाल किया जा सकता है आइये यहां जानते हैं।

फेस वॉश

चावल का फेस वॉश बनाने के लिए आप दो बड़े चम्मच चावल को बारीक पीसकर पाउडर बना लें। इसमें एक चम्मच गुलाब जल, आधा चम्मच बादाम का तेल, आधा चम्मच ग्लिसरीन और एक विटामिन ई कैप्सूल ऑयल मिलाएं। इन सबको आपस में अच्छी तरह से मिक्स कर लें। इस पेस्ट को चेहरे पर लगाकर दो-तीन मिनट तक मसाज करें फिर चेहरा ठंडे पानी से धो लें। इसको रोज़ाना इस्तेमाल करने से आपकी स्किन टाइट बनेगी जिससे झुर्रियां कम होंगी। साथ ही डेड स्किन से निजात मिलेगी और स्किन भी ग्लोइंग बनेगी।

फेस पैक

चावल को सूखा पीसकर बारीक पाउडर बना लें। इस एक चम्मच चावल के पाउडर में आधा चम्मच शहद, एक चम्मच गुलाब जल और दो चम्मच कच्चा दूध मिला लें। इसमें आधा चम्मच बादाम का पाउडर भी मिलाएं। इस पेस्ट को अपने चेहरे और गर्दन पर लगा कर बीस मिनट के लिए छोड़ दें। फिर मसाज करके इस पेस्ट को हटा दें और चेहरा धो लें।

एक बढ़ा चम्मच चावल का बारीक पाउडर लें। इसमें आधा चम्मच शहद और एक चम्मच नींबू का रस मिला लें। इस गाढ़े पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर अप्लाई करें और सूखने तक ऐसे ही लगा रहने दें। फिर हल्के हाथों से रगड़ कर इसे छुड़ा दें और ठंडे पानी से चेहरा साफ़ कर लें।

चावल का एक बड़ा चम्मच पाउडर लें और इसमें दो चुटकी हल्दी मिला लें। साथ ही इसमें एक चम्मच एलोवेरा जेल भी मिलाएं।

इस पेस्ट को चेहरे पर लगाएं और पंद्रह मिनट तक ऐसे ही लगा रहने दें। इसके बाद हल्के हाथों से चेहरे की मसाज करें और फिर चेहरा धो लें।

नाखूनों को टूटने से बचाएं और बढ़ाए खूबसूरती

लंबे नाखून का शौक तो हर लड़की को होता है लेकिन कुछ लड़कियों के नाखून बार-बार टूटते रहते हैं। इसके कारण उन्हें नेल एक्सटेंशन या फेक नेल्स का सहारा लेना पड़ता है। मगर, आज हम आपको कुछ ऐसे टिप्स बताएंगे जिससे आपके छोटे नाखुन लंबे दिखने लगेंगे। इन टिप्स को अपनानें से नाखून टूटेंगे भी नहीं बल्कि मजबूत रहेंगे। साथ ही हाथ की खूबसूरती भी बढ़ेगी। तो चलिए बताते हैं उन तरीकों के बारे में...

1. नेल्स को लंबे दिखाने के लिए उस आलमंड शेप दें। अगर आलमंड शेप आपको पसंद नहीं आ रही तो आप नाखूनों को राउंड शेप भी दे सकती हैं। हालांकि इस बात का जरूर ध्यान रखें कि स्क्वेयर शेप देने से नेल्स छोटे दिखते हैं।
2. अब नेल्स की खूबसूरती को बढ़ाने का काम करती है नेल पेंट। अगर नेल्स को लंबा दिखाना है तो न्यूड कलर्स का इस्तेमाल करें। इसके अलावा अपनी स्किन टोन के हिसाब से अपनी नेल पेंट का कलर चुनें।
3. नेल आर्ट को स्मार्ट तरीके से करेंगे तो नाखून लंबे दिखेंगे। नेल आर्ट में छोटे पैटर्न का इस्तेमाल करें। जो नेल्स को खूबसूरत दिखाने के साथ-साथ लंबे भी दिखाएंगे।
4. आजकल फ्रेंच मैनीक्योर महिलाओं में सबसे पॉपुलर है। इसमें नेल्स के टिप्स पर व्हाइट कलर का इस्तेमाल जाता है जिससे नाखून लंबे लगते हैं।
5. नाखूनों को लंबा दिखाने के लिए क्यूटिकल्स को पीछे की तरफ धकेलें। क्यूटिकल्स को पीछे धकेलते हुए ध्यान रखें कि इसे आराम से करें वर्ना नेल बेड को नुकसान भी हो सकता है। इसलिए क्यूटिक्लस को जेंटल तरीके से पुश करें।

ऐसे बनाए दांतों को चमकदार!

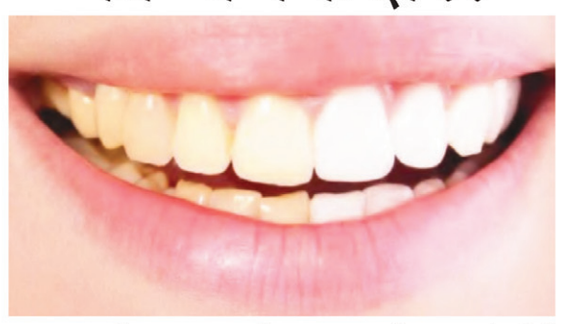

आपकी एक खूबसूरत सी मुस्कुराहट सभी का मन मोह लेती है, लेकिन वही अगर आपके दांत पीले हो तो आप की मुस्कुराहट भी फीकी पड़ जाती है। इतना ही नहीं, यह आपके आत्मविश्वास को भी कम करती है।

ऐसे में आप सोचते हैं कि दांतों के पीलेपन को कैसे दूर करें। तो चलिए आज हम आपको बताते हैं दांतो को चमकदार बनाने के कुछ आसान तरीकों के बारे में-

- दांतों का पीलापन दूर करने के लिए आप अपने कोलगेट के साथ चुटकी भर बेकिंग सोडा मिला लें और फिर ब्रश करें। दांतों का पीलापन धीरे धीरे ख़त्म होता चला जाएगा।
- आप चाहे तो नींबू के छिलकों से दातों को रगड़कर भी अपने दांतों के पीलेपन से निजात पा सकते हैं। अगर आप नींबू के छिलकों से दांतों को रगड़ने में सहज नहीं महसूस करते तो आप नींबू और पानी को मिलाकर उस उस पानी से कुल्ला कर सकते हैं।
- इस से दातों का पीलापन तो खत्म होगा ही साथ ही आपको मुंह की दुर्गंध से भी छुटकारा मिल जाएगा।
- पुराने समय में नीम की दातुन से दातों को साफ किया जाता था आप चाहें तो पीलेपन के लिए भी इस दातुन का इस्तेमाल कर सकते हैं।

गर्मियों में शरीर को फिट और स्वस्थ्य रखना किसी चुनौती से कम नहीं होता। अभी तो कोरोना महामारी भी कहर बरपा रही है। ऐसे में हेल्थ एक्सपर्ट खान-पान के मामले में बेहद सावधानी बरतने की अपील कर रहे हैं। इस खबर में हम आपके लिए लेकर आए हैं काले अंगूर के फायदे। काले अंगूर शरीर को कई तरह की बीमारियों से बचा सकते हैं। दरअसल, अंगूर काफी सेहतमंद माना जाता है। खास तौर पर गर्मियों में काले अंगूर का नियमित सेवन किया जाए तो डायबिटीज, ब्लड प्रेशर, दिल की बीमारियां, त्वचा और बालों की परेशानियों से निजात पा सकते हैं।

गर्मियों में इन गंभीर बीमारियों से बचाएगा काला अंगूर

वजन घटाने में मददगार

जो लोग मोटापे से परेशान हैं वो काले अंगूर से दोस्ती कर लें और उसे अपनी डाइट में शामिल करें, क्योंकि वजन घटाने में काला अंगूर मदद कर सकता है। इसके लिए आपको इसका नियमित सेवन करना होगा। इनमें जो एंटीऑक्सीडेंट होते हैं, वो शरीर से गैरजरूरी टॉक्सिन्स को बाहर निकालते हैं और इस तरह वजन कम होता है।

कोलेस्ट्रॉल होगा कंट्रोल

काले अंगूर का सेवन कोलेस्ट्रॉल को बढ़ाता है। काले अंगूर में पाए जाने वाला साइटोकेमिकल्स दिल के लिए बेहतर होता है और यह कोलेस्ट्रॉल कंट्रोल करता है।

बालों के लिए सेहतमंद है

जिन लोगों को बालों से जुड़ी समस्या है वो काले अंगूर का सेवन कर सकते हैं। काले अंगूर में पाया जाने वाला विटामिन-ई बालों के लिए फायदेमंद साबित होता है।

याददाश्त बढ़ाने में मददगार

काला अंगूर आपकी याददाश्त बढ़ाने में मददगार होता है। बताया जाता है कि काले अंगूर दिमाग की गतिविधियों को बढ़ाते हैं।

इंसूलिन भी बढ़ाता है

काले अंगूर के सेवन से खून में इंसूलिन की मात्रा बढ़ती है। इसमें रेसवार्टल नाम का पदार्थ होता है जो इंसुलिन बढ़ाता है।

त्वचा के लिए भी फायदेमंद

काले खाने से झुर्रियां खत्म होती हैं और त्वचा जवां दिखने के साथ ही उसमें निखार भी आता है। इसमें मौजूद विटामिन सी त्वचा सेल्स में जान भर देते हैं।

अपच दूर करने में मददगार

काले अंगूर में शुगर, ऑरगैनिक एसिड और पॉलीओस की मात्रा ज्यादा होती है। इसलिए ये अपच दूर करने में भी मददगार हो सकता है। साथ ही पेट में होने वाली जलन भी दूर होती है।

क्षमता से ज्यादा न खाएं काले अंगूर

काले अंगूर का सेवन करते वक्त आपको याद रखना है कि इसका सेवन लिमिट में करे। क्योंकि ज्यादा अंगूर खाने से सलिसीक्लिक एसिड पाचन समस्याएं पैदा कर सकता है।

फेफड़ों के लिए लाभकारी होती है इलायची

इलायची का प्रयोग भारत के लगभग सभी के घरों में होता है। स्वाद के साथ -साथ इलायची सेहत के लिए भी काफी लाभदायक होती है। रिसर्च के मुताबिक इलायची फेफड़ों के लिए काफी फायदेमंद होती है। जाने माने एक न्यूट्रीशनिस्ट के अनुसार, वर्तमान समय जब प्रदूषण और संक्रमण की समस्या बढ़ रही है। ऐसे में हमे प्रतिदिन इलायची का सेवन करना चाहिए। आइए जानते हैं इसके फायदों के बारे में....

फेफड़ों को संक्रमण से बचाती है इलायची

इलायची में सीनेओल नामक तत्व मौजूद होता है, जो एंटीमाइक्रोबियल और एंटीसेप्टिक होता है। यह फेफड़ों को नुकसान पहुंचाने वाले बैक्टिरिया की रोकथाम करने में सक्षम होता है। विशेष रूप से अस्थमा के रोगियों के लिए यह काफी फायदेमंद होता है।

न्यूमोनिया में भी लाभदायद है इलायची

इलायची ब्रोंकाइटिस,न्यूमोनिया आदि में भी फायदेमंद होती है। अधिक प्रदूषण के कारण एक्सपोजर से रेस्पिरेटरी ट्रेक्ट की लाइनिंग में इंफ्लेमेशन हो सकता है। इलायची के सेवन इंफ्लेमेशन पर लगाम लगाया जा सकता है। इलायची रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजूबत करती है। यह एक पावरफुल एंटीऑक्सीडेंट होती है। यह रेस्पिरेटरी सिस्टम की एजिंग को कंट्रोल करने के साथ पॉल्यूशन के कारण होने वाले फ्री रेडिकल डैमेज से भी लड़ सकती है।

कैसे करें सेवन

इलायची का सेवन अलग-अलग तरीके से कर सकते हैं। आप चाहे तो इसका सेवन चाय के साथ भी कर सकते हैं। इसके लिए आप चाय बनाते समय दो या तीन इलायची को कूटकर डाल सकते हैं। इसके अलावा आप वेज पुलाव में भी इलायची का इस्तेमाल कर सकते हैं।

बता दें कि जिन लोगों को गाल ब्लैडर स्टोन की समस्या होती है, उन्हें इलायची के इस्तेमाल से बचना चाहिए या स्पेशलिस्ट डॉक्टरों से परामर्श करने के बाद ही इसका सेवन करना चाहिए। इलायची का सेवन एक से दो मात्रा में ही करना चाहिए।

प्राकृतिक तरीके से डाइट में जोड़ें विटामिन्स

कोरोना वायरस महामारी की दूसरी लहर ने एक बार फिर इम्यूनिटी बढ़ानेवाले फूड्स और सप्लीमेंट्स के महत्व को बढ़ा दिया है। दुनिया भर के आहार विशेषज्ञ बता रहे हैं कि लोगों को विटामिन्स, जिंक, मिनरल्स, प्रोटीन, फैट्स और कार्बोहाइड्रेट्स समेत संतुलित डाइट अधिकतम स्वास्थ्य बनाए रखने के लिए खाना चाहिए। आपको कुछ फूड्स बताए जा रहे हैं जो प्राकृतिक तौर पर विटामिन्स और जिंक में भरपूर हैं और आसानी से भोजन में शामिल किए जा सकते हैं।

काजू- प्लांट आधारित जिंक का शानदार प्राकृतिक स्रोत काजू है। चाहे कच्चा खाया जाए या भूना, उससे जिंक की 1.5 मिलीग्राम मात्रा मिलती है। काजू विटामिन ए, विटामिन K, कॉपर, फोलेट और स्वस्थ अनसैचुरेटेड फैट्स में भरपूर होता है। काजू खाने से दिल की बीमारी का खतरा कम होता है और स्वस्थ केलोस्ट्रोल को बढ़ावा मिलता है।

तीखे फल- कहा जाता है कि विटामिन C सफेद रक्त कोशिकाओं के उत्पादन को बढ़ाता है, जो संक्रमण से लड़ने की बुनियाद है। करीब सभी तीखे फल विटामिन C में भरपूर होते हैं। संतरा, नींबू, अनानास, मौसंबी, चकोतरा जैसे फलों में से आपको चुनने का विकल्प है। व्यस्क महिला के रोजाना विटामिन C की सिफारिश मात्रा 75 मिलीग्राम है जबकि पुरुष के लिए 90 मिलीग्राम होती है।

ब्रोकली और पालक- ब्रोकली मिनरल्स और विटामिन्स में पर्याप्त होता है। विटामिन्स A, C और E से पैक होने के अलावा फाइबर और कई अन्य एंटीऑक्सीडेंट्स भी उपलब्ध कराता है। हमारी प्लेट के लिए ब्रोकली सबसे स्वस्थ सब्जियों में से एक है। दूसरी तरफ पालक न सिर्फ विटामिन C में भरपूर होता है बल्कि ये कई एंटीऑक्सीडेंट्स और बीटा कैरोटीन में भी शानदार होता है। दोनों हमारे इम्यून सिस्टम की संक्रमण से लड़ाई में क्षमता को बढ़ाते हैं। ब्रोकली की तरह पालक भी सबसे स्वस्थ होता है।

ऑयली मछली जैसे टूना और सालमन- मछली में पोषण और प्रोटीन की उच्च मात्रा होती है, विशेषकर ऑयली मछली जैसे सालमन और टूना में। उनसे जिंक समेत विटामिन्स और मिनरल्स उपलब्ध होता है और ओमेगा-3 फैटी एसिड भी काफी मिलता है, जो इम्यून का काम, पाचन और प्रजनन के अलावा मसल सक्रियता को सुधारने में मदद करता है।

योगर्ट- हमारे शरीर के इम्यून सिस्टम और आंत के स्वास्थ्य के लिए योगर्ट शानदार है। ये स्वस्थ आंत के लिए हमें अच्छा बैक्टीरिया देता है और शरीर के लिए बहुत जिंक भी उपलब्ध कराता है। दही या योगर्ट के एक कप में जिंक की 1.5 मिलीग्राम मात्रा होती है। वास्तव में ये पाचन और इम्यूनिटी बढ़ाने में मदद करने का एक सबसे अच्छा विकल्प है। योगर्ट विटामिन डी का एक शानदार स्रोत भी है और हमारी हड्डियों को मजबूत करने में मदद करता है।

अदरक- विटामिन सी का अच्छा स्रोत होने के अलावा अदरक में बीटा कैरोटीन भी होता है। शरीर में ये विटामिन ए में बदल जाता है जो इम्यून सिस्टम को बढ़ावा देने में मदद करता है।

ये हमारे शरीर को एंटीऑक्सीडेंट्स का अच्छा लेवल मुहैया कराने में अहम भूमिका निभाता है। उसे सुरक्षा के तौर पर बीमारी से बचानेवाला समझा जा सकता है। अदरक आपके मेटाबोलिज्म को भी बढ़ाता है और शरीर में ब्लड शुगर लेवल को स्थिर करता है।

आज की रेसिपी

आलू पनीर बॉल्स

अगर आप खाने के शौकीन हैं तो यह रेसिपी आप के लिए बहुत ही मजेदार साबित हो सकती है। जी हां हम बात कर रहे हैं आलू पनीर बॉल्स की, यह खाने में बहुत ही टेस्टी और बनाने में आसान है। इसे बनाने के लिए रेसिपी भी बहुत आसान है। यह है सामग्री और बनाने की विधि।

सामग्री

कवरिंग के लिए-रेडीमेड इंस्टेंट इडली मिक्स पावडर : 2 कटोरी
बेसन : 1 टेबल स्पून,
तलने के लिए : तेल
स्टफिंग के लिए-उबले आलू : 250 ग्राम,
पनीर : 100 ग्राम,
बारीक कटी हरी मिर्च : 4
जीरा : 1/4 टी स्पून
बारीक कटा प्याज : 1
गरम मसाला : 1/4 टी स्पून
अमचूर पावडर : 1/2 टी स्पून
नमक : स्वादानुसार
बारीक कटा हरा धनिया : 1 टेबल स्पून, तलने के लिए पर्याप्त मात्रा में तेल

बनाने की विधि

पैन में तेल डालकर गर्म करें। इसमें कटा प्याज, हरी मिर्च और जीरा डालकर भूनें। आलू को मैश करके उसमें सारे मसाले डालें और तेज आंच पर 3-4 मिनट भूनकर उतार लें। आधा हरा धनिया मिलाएं। पनीर को कसकर बाकी हरा धनिया इसमें मिलाएं। तैयार आलू के मिश्रण में एक चम्मच पनीर का मिश्रण भरें। इडली मिक्स का एक बर्तन में गाढ़ा घोल बनाएं। इसमें तैयार आलू बॉल्स डुबोएं। कड़ाही में तेल गरम करें। इसमें सुनहरा होने तक आलू बॉल्स तलें। बटर पेपर पर निकालकर हरी चटनी या सॉस के साथ आलू-पनीर बॉल्स को सर्व करें।

डेंगू के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने आज मनाया जाएगा राष्ट्रीय डेंगू दिवस

डेंगू की रोकथाम है सर्वोच्च प्राथमिकता- श्याम बिहारी जायसवाल

रायपुर (समय दर्शन)। प्रदेश में डेंगू नियंत्रण के लिए किए गए ठोस उपायों का सकारात्मक परिणाम डेंगू के मामलों में कमी के रूप में स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है। राज्य सरकार और स्वास्थ्य विभाग की समन्वित रणनीतियों तथा व्यापक जनजागरूकता अभियानों के परिणामस्वरूप वर्ष 2025 की पहली तिमाही में डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है। जनवरी से अप्रैल माह के दौरान राज्य में डेंगू के मामलों में 65 प्रतिशत की गिरावट देखी गई, जो स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में किए जा रहे सुदृढ़ प्रयासों की प्रभावशीलता को दर्शाती है।

इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा, छत्तीसगढ़ सरकार ने डेंगू की रोकथाम को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। समय रहते प्रभावी कदम उठाए गए, जिसका परिणाम है कि आज डेंगू के मामलों में उल्लेखनीय गिरावट देखने को मिल रही है। यह सफलता सरकार और जनता, दोनों के सहयोग का प्रतिफल है। डेंगू नियंत्रण की दिशा में यह सकारात्मक प्रगति प्रदेश की स्वास्थ्य प्रणाली की सजगता और

प्रभावशीलता का परिचायक है।

विदित हो कि राज्य में स्वास्थ्य सुविधाओं का सुदृढ़ीकरण भी डेंगू नियंत्रण में एक प्रमुख कारक रहा है। प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों से लेकर जिला अस्पतालों तक समुचित संसाधनों की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है। डेंगू की शीघ्र जांच और उपचार के लिए विशेष जांच शिविर लगाए जा रहे हैं, जिससे मरीजों को समय पर इलाज मिलना संभव हो पाया है। इसके अतिरिक्त प्रशिक्षित स्वास्थ्य कर्मियों एवं डॉक्टरों की टीम को विशेष प्रशिक्षण देकर डेंगू जैसी बीमारियों के उपचार में दक्ष बनाया गया है।

डेंगू नियंत्रण को लेकर सरकार की सजगता, समयबद्ध फॉगिंग, घर-घर सर्वेक्षण, लार्वा नियंत्रण और प्राथमिक उपचार की बेहतर व्यवस्था ने मिलकर यह परिणाम दिलाया है। रायपुर, दुर्ग, बिलासपुर,रायगढ़ जैसे शहरी जिलों में जहां डेंगू के केस ज्यादा आते थे, वहां भी मामलों में बड़ी गिरावट देखने को मिली है। स्वास्थ्य विभाग के अभियानों के साथ-साथ आम नागरिकों ने भी घरों और आसपास की सफाई, जल जमाव रोकने जैसे कार्यों में महत्वपूर्ण भागीदारी निभाई। पंचायतों, स्कूलों और नगरीय निकायों द्वारा जागरूकता रैलियां और कार्यक्रम आयोजित किए गए। डेंगू एक गंभीर वायरल बुखार है, जो एडिस मच्छर के काटने से फैलता है। यह मच्छर मुख्यत: दिन के समय सक्रिय रहते हैं और साफ स्थिर पानी में पनपते हैं। इसलिए, घरों और आसपास के क्षेत्रों में जलजमाव को रोकना अत्यंत आवश्यक है।

भंवरपुर में विधायक नन्द का जन चौपाल का हुआ शुभारंभ

बिजली,पानी सहित कई समस्याओं के निराकरण के लिए ग्रामीणों ने विधायक चातुरी नंद से लगाई गुहार

सरायपाली (समय दर्शन)। विधायक चातुरी नंद ने भंवरपुर में विधायक जन चौपाल का शुभारंभ किया। इस मौके पर क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीणों ने विधायक चातुरी नंद से बिजली,पानी सहित कई समस्याओं के निराकरण के लिए ग्रामीणों ने विधायक चातुरी नंद से गुहार लगाई। ग्रामीणों की समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेते हुए विधायक चातुरी नंद ने पेयजल, बिजली सहित अन्य समस्याओं के लिए निराकरण हेतु मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित किया। विधायक जन चौपाल में ग्राम भंवरपुर के वार्ड नंबर 8 निवासी गौतम भोई और अन्य लोगों ने पेयजल समस्या से विधायक चातुरी नंद की अवगत कराया। उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु उन्होंने तुरंत पी एच ई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

इसी तरह भंवरपुर के सरिता श्रीवास ने महतारी वंदन का लाभ नहीं मिलने की शिकायत विधायक चातुरी नंद से की जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को महतारी वंदन का लाभ दिलाने के लिए निर्देश प्रदान किया। विधायक चातुरी नंद से ग्राम भंवरपुर के संत कुमार पटेल और अन्य ग्रामीणों ने तहसीलदार के भ्रष्टाचार और अनियमितता की भी शिकायत की जिस पर विधायक नंद ने उच्चाधिकारियों को इसकी जांच कर कार्रवाई करने निर्देशित किया। इसी तरह गंगा नायक, डोलामणि पटेल, समेलाल भोई सहित अन्य कई ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

स्वर्ण ऋण लेने हेतु एसबीआई किरंदुल में लगी कतार : कम ब्याज दर एवं 36 महीने की ईएमआई बन रही ग्राहकों के आकर्षण की केंद्र बिंदु

दंतेवाड़ा (समय दर्शन)। उत्कृष्ट ग्राहक सेवा का पर्याय बन चुके भारतीय स्टेट बैंक की किरंदुल शाखा में आजकल स्वर्ण ऋण लेने हेतु ग्राहकों की कतार देखी जा सकती है। **Reducing Principal** के सिद्धांत पर 36 महीने की ईएमआई ग्राहकों के लिए आकर्षण का केंद्र बिंदु बन रही है। जहां दूसरे बैंकों में अवधि खत्म होने तक पूरे मूलधन राशि पर ब्याज दे होता है वही रिड्यूजिंग प्रिंसिपल के सिद्धांत अनुसार घटते हुए मूलधन राशि पर महीने दर महीने ब्याज दे होता है जिसका पूरा फायदा ग्राहकों को मिलता है।

दूसरी ओर जहां व्यक्तिगत ऋण या अन्य ऋण लेने हेतु बैंक में बहुत सारे दस्तावेज जमा करने होते हैं परंतु स्वर्ण ऋण हेतु ऐसी कोई दस्तावेज जमा नहीं करने होते एवं स्वर्ण ऋण एसबीआई किरंदुल शाखा में मात्र आधे घंटे के भीतर प्रदान किया जाता है। अमूमन हर घर में सोने की आभूषण होते हैं जिन्हें वह बैंक लॉकर या अलमीरा में रखते हैं परंतु तुरंत ऋण प्राप्त करने में सबसे ज्यादा सहायक सोने के आभूषण होते हैं। एक तोले सोने पर लगभग 61000 ऋण मिल सकता है अभी ब्याज की दर सालाना 10.25 प्रतिशत है और ऋण 36 माह के ईएमआई के तौर पर चुकाना होता है उदाहरण के तौर पर 3 लाख के ऋण के लिए लगभग 5 तोला सोना मॉर्टगेज करना होगा। आवश्यक दस्तावेज पेन एवं आधार कार्ड की फोटो कॉपी के साथ केवल दो

पासपोर्ट साइज फोटो। ध्यान रहे की स्वर्ण ऋण हेतु केवल सोने के आभूषण ही स्वीकार्य हैं सोने के सिक्के या बिस्किट या गैर आभूषण स्वीकार नहीं है। प्रोसेसिंग फीस (0.5 प्रतिशत ऑफलोन अमाउंट) एवं अप्रेजल फीस ?300 ग्राहक द्वारा देय होगा।

आज सात वार्डो के लिए एक साथ वार्ड क्र.52 बोरसी स्कूल में वार्ड-49,50,51,52,53,54,55 के आवेदनों का समाधान करने शिविर

दुर्ग (समय दर्शन)। राज्य शासन के निर्देश के पर शासकीय कामकाज में पारदर्शिता तथा योजानाओ के क्रियान्वयन को लेकर सुशासन तिहार 2025 के तृतीय चरण के लिए समाधान शिविर का आयोजन दिनांक 05 मई से 31 मई तक समय सुवह 10:00 बजे से संध्या 5:00 बजे तक किया जाएगा। वार्ड 52 बोरसी उ.मा.शाला में लगाने वाला शिविर स्थल में सभी व्यवस्था के निर्देश दिए । इस अवसर पर उन्होंने अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

महिला एवं बाल विकास प्रभारी श्रीमती शशि साहू ने ली समिति सदस्यों के साथ बैठक

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम की महिला एवं बाल विकास प्रभारी श्रीमती शशि साहू ने समिति सदस्यों के साथ समीक्षा बैठक ली। यह बैठक महिला एवं बाल विकास विभाग के कार्यों, योजनाओं और चुनौतियों पर चर्चा करने के लिए आयोजित की गई थी। नगर निगम की महिला एवं बाल विकास प्रभारी ने आज समिति सदस्यों के साथ बैठक में, विभाग के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा की गई, जिसमें महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा संचालित योजनाओं, कार्यक्रमों और परियोजनाओं को शामिल किया गया। इन योजनाओं का उद्देश्य महिलाओं और बच्चों के लिए एक सुरक्षित और अनुकूल वातावरण सुनिश्चित करना है।

बैठक में, विभाग के कामकाज में सुधार के लिए सुझाव और विचार-विमर्श भी किए गए। समिति के सदस्यों ने विभाग की गतिविधियों में अपनी भागीदारी और समर्थन सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्धता व्यक्त की।

यह बैठक विभाग के कामकाज में पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए एक महत्वपूर्ण कदम थी। यह सुनिश्चित करने में भी मदद करेगी कि विभाग की नीतियां और कार्यक्रम महिलाओं और बच्चों के विकास के लिए प्रभावी ढंग से लागू किए जा रहे हैं। प्रभारी श्रीमती शशि साहू ने समिति बैठक में कहा कि 2 आंगनबाड़ी सहायिका को बर्खास्त करने विचार किया गया। जिसे समिति के सभी सदस्यों द्वारा सर्व सम्मति से निर्णय को पारित किया गया।

पौंड कलियर के माध्यम से शिवनाथ नदी इंटकवेल के समीप रुके हुए जलकुंभी को निकाला

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम दुर्ग के पौंड कलियर के माध्यम से शिवनाथ नदी इंटकवेल के समीप रुके हुए जलकुंभी को निकाला गया इंकट्वेल के पहले बने अनिकेत में फंसी हुई जलकुंभी को निकालने में पूर्णरूप से तीन दिवस लगे।

बता दे कि नगर पालिक निगम दुर्ग के ऑपरेटर डेमन साहू एवं अमित ताम्रकार हेल्पर द्वारा 3 दिन लगातार पूरी जिम्मेदारी से कार्य को अंजाम देकर निगम हित में सराहनीय कार्य किया। शिवनाथ नदी के इंटकवेल के आस पास जमा जलकुंभी को सफलतापूर्वक निकाला गया है। यह कार्य जलकुंभी के जमा होने के कारण इंटकवेल में पानी के प्रवाह को बाधित होने से रोकने के लिए किया गया,

महापौर श्रीमती अलका बाघमार और आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश में यह कार्य पूर्ण हुआ, इसके पश्चात अब पौंड क्लीनर को अनिकेत के उस पार शिफ्ट कर पुलगांव नाला की ओर की जलकुंभी को निकाला जाएगा जो लगातार नदी को को बेहतर सफाई किया जाएगा।सफाई कार्य से शिवनाथ नदी इंटकवेल में कचरा फसने की शिकायत नहीं होगी।

निगम महापौर श्रीमती अलका बाघमार एवं आयुक्त सुमित अग्रवाल के निर्देश पर कर्मशाला अधीक्षक शोएब अहमद के मार्गदर्शन में उनकी टीम द्वारा जलकुंभी को हटाने के लिए एक विशेष अभियान शुरू किया। यह सुनिश्चित करने के लिए कि इंटकवेल में पानी का प्रवाह बाधित न हो, जलकुंभी को सावधानीपूर्वक निकाला गया और फिर इसे हटा दिया गया. यह कार्रवाई दुर्ग में शिवनाथ नदी के पानी की गुणवत्ता को बेहतर बनाने और इंटकवेल के उचित संचालन को सुनिश्चित करने में सहायक होगी।

करहीभदर कन्नेवाड़ा में ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का शुभारंभ

बालोद (समय दर्शन)। जिला मुख्यालय से मार्च 15 किलोमीटर की दूरी पर स्थित ग्राम कन्नेवाड़ा करहीभदर में ग्रीष्मकालीन खेल शिविर का शुभारंभ आज अपर कलेक्टर श्री कौशिक के सानिध्य में किया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के अनेक जनप्रतिनिधि, खेलप्रेमी एवं सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कार्यक्रम में जिला हॉकी संघ अध्यक्ष श्री तोमन साहू, शबरी स्पोर्ट्स क्लब अध्यक्ष श्री मिथलेश तारम, प्रशिक्षक कोच श्री तोरण सिन्हा, जिला उपाध्यक्ष श्री सूर्यकांत सिन्हा, जनपद सदस्य श्रीमती प्यारी राणा एवंजनपद सदस्य श्री लोकेश डडसेना, करहीभदर सरपंच श्री बसंत तारम,

कन्नेवाड़ा सरपंच श्रीमती लता सिन्हा, चिरईगोड़ी सरपंच श्रीमती पेमीन साहू, जिला हॉकी संघ सदस्य श्री लीलाधर साहू, तेजेश्वर साहू, दिनेश साहू, गमनेश्वर तारम, चंद्रकांत साहू एवं खुनेश्वर गजेंद्र विशेष रूप से उपस्थित रहे। पलक गण त्रिलोचन भवारिया, पूरन सिंह, डिगेश्वर कुलदीप एवं पूरन कुलदीप की भी गरिमामयी उपस्थिति रही।

इस अवसर पर जनप्रतिनिधियों ने बच्चों को आगे बढ़ने की प्रेरणा देते हुए उन्हें खेलों के माध्यम से आत्मविश्वास, अनुशासन और नेतृत्व कौशल विकसित करने की दिशा में मार्गदर्शन दिया। उन्होंने कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाएं भी आज राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय मंच तक पहुँचने का सामर्थ्य रखती हैं।

अपर कलेक्टर श्री कौशिक ने अपने संबोधन में कहा कि ऐसे शिविर न केवल खेल विकास का माध्यम हैं, बल्कि बच्चों के सर्वांगीण विकास में भी सहायक हैं। उन्होंने खिलाड़ियों को समर्पण और मेहनत के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ने की प्रेरणा दी। शिविर में विभिन्न खेलों की तकनीकी जानकारी, फिटनेस ट्रेनिंग और टीम भावना को विकसित करने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

प्रशिक्षक कोच श्री तोरण सिन्हा ने जानकारी दी कि अब तक सैकड़ों छात्र-छात्राएं इस शिविर से प्रशिक्षण प्राप्त कर शासकीय विभागों सहित विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों में सफलतापूर्वक कार्यरत हैं। उन्होंने बताया कि यह शिविर युवाओं के लिए एक सुनहरा अवसर है, जिससे वे न केवल खेलों में निपुण हो सकते हैं बल्कि अपने करियर को भी सशक्त बना सकता है।

अवैध इमारती लकड़ी परिवहन पर वन विभाग बसना की कार्यवाही

बसना(समय दर्शन)। वन मण्डलाधिकारी वेंकटेश एम.जी. आई.एफएस. महासमुन्द के निर्देशानुसार दिनांक 14/05/2025 को रात्रि गस्त के दौरान ग्राम लोहरसिंग से गढ़फुल्झर मार्ग कुदारीबाहरा के पास संदिग्ध अवस्था में बोलरो पिकप की तेज रफ्तार में भागने के शंका पर पीछा करके ओवर टेक कर रोका गया। रुकते ही वाहन चालक गाड़ी की चाबी लेकर फरार हो गया । वाहन को चेकिंग करने पर तेन्दू लट्ठा 26 नग = 1.330 घ.मी. की ईमारती तथा वाहन को जप्त कर पी.ओ.आर. 19903/07 दिनांक 15.05.2025 को जारी कर वाहन एवं जप्तशुदा वनोपज को राजसात की कार्यवाही की जा रही है तथा वाहन मालिक व वाहन चालक एवं वनोपज मालिक की पतासाजी किया जा रहा है। इसमें श्रीमान् वन मण्डलाधिकारी वेंकटेश एम.जी. आई.एफएस. की विशेष निर्देशन तथा उप वन मण्डलाधिकारी सरायपाली अनिल कुमार भास्करन के मार्गदर्शन में परिक्षेत्र अधिकारी बसना सुखराम निराला के कुशल संचालन तथा सहायक परिक्षेत्र अधिकारी बसना, बैजनाथ बारिक, देवानंद सोनी वनरक्षक हाड़ापथरा, टिकेश्वर साव वनरक्षक सराईपाली, कुंदनलाल पटेल भृत्य एवं वन सुरक्षा श्रमिको के सहयोग से कार्य संपन्न किया गया। इसमें सभी का सहभागिता सराहनीय रहा ।

संक्षिप्त-खबर

अनाधिकृत कब्जे का सफल फॉर्मूला

बिलासपुर (समय दर्शन)। सेवा के नाम पर सरकारी जमीन पर कैसे कब्जा किया जाए इसके कुछ स्थापित फॉर्मूले हैं। पहली फॉर्मूला धार्मिक स्थान बनवा लो यह फार्मूला अब थोड़ा कमजोर हो चुका है। और जमीन भी कम कब्जीआने मिलती है। दूसरा फार्मूला गौ सेवा है ना, पशु चिकित्सालय बिलासपुर के भीतर कुछ विभागीय कमजोरी और मानवीय दृष्टिकोण के चक्कर में लगभग 2000 स्क्वायर फीट जमीन पर द्वितीय फार्मूले का उपयोग कर अनाधिकृत कब्जा कर लिया गया है और अब उसे ही आधार बनाकर शासन से कई एकड़ जमीन की मांग की जा रही है।

बेजा कब्जाधारियों को इस बात की पुख्ता जानकारी रही होगी कि बिलासपुर शहर के बीचों बीच यह जमीन जनपद पंचायत बिल्हा की है। और नजूल अधिकारी बिलासपुर, एसडीम बिलासपुर, तहसीलदार बिलासपुर चाहते हुए भी उसके इस बेजा कब्जा पर कार्यवाही नहीं कर पाएंगे। और किसी को इतनी फुर्सत नहीं की बिलासपुर से बिल्हा तहसील जाकर शिकायत करें। परिणाम जिला अस्पताल के अंदर ही एक अनाधिकृत सेवा सदन आकार ले गया।

समिति में पारदर्शिता का बेहद अभाव है समिति के आवश्यक पदाधिकारी की सूची भी कहीं प्रदर्शित नहीं की गई सूचनाओं के स्थान पर परंपरागत श्लोक लिखकर मानवीय भावना को उकेरने का प्रयास किया जा रहा है। 2010 के पूर्व से ही यह अनाधिकृत कब्जा आकार लेता रहा और अब 2000 स्क्वायर फीट के अनधिकृत कब्जे के एवज में कई एकड़ जमीन की मांग की जा रही है ।

लीलर और भुसरेंगा में समाधान शिविर : 99 प्रतिशत से अधिक आवेदनों का निराकरण

धमतरी (समय दर्शन)। धमतरी जिले में कुरूद विकासखण्ड के भुसरेंगा और धमतरी विकासखण्ड के लीलर में समाधान शिविरों का आयोजन किया गया। इन दोनों शिविरों के क्लस्टर में मिले 11 हजार 102 आवेदनों में से 99 प्रतिशत से अधिक 11 हजार 30 आवेदनों का निराकरण पूरा कर लिया गया है, जिसकी जानकारी आज शिविर में उपस्थित ग्रामीणजनों को दी गई। इन दोनों शिविरों में आज जिले की प्रभारी सचिव और प्रदेश की अपर मुख्य सचिव श्रीमती रेणु जी. पिल्ले ने अचानक पहुंचकर निरीक्षण किया। उन्होंने उपस्थित हितग्राहियों से बात की और शासन की योजनाओं का लाभ मिलने के बारे में पूछा। शिविरों में कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा, जिला पंचायत सीईओ श्रीमती रोमा श्रीवास्तव, छत्तीसगढ़ पिछड़ा वर्ग आयोग के अध्यक्ष श्री नेहरू निषाद, धमतरी विधायक श्री ओंकार साहू, जनपद अध्यक्ष श्रीमती अंगीरा ध्रुव, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती मोनिका देवांगन, जनपद सदस्य श्रीमती अनिता यादव, पूर्व विधायक श्रीमती रंजना साहू, सहित स्थानीय जनप्रतिनिधि, विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी भी शामिल हुए।

सुशासन तिहार के दौरान लीलर क्लस्टर में दस ग्राम पंचायतों कोलियारी, करेठा, अछोटा, मुड़पार, बरारी, भोयना, मथुराडीह, अरौद डू. जंवरगांव, अरौद ली. और लीलर को शामिल किया गया था। इस क्लस्टर में कुल 6 हजार 535 आवेदन मिले थे। जिनमें से 6 हजार 446 आवेदन मांग और 89 आवेदन शिकायत संबंधी थे। प्राप्त आवेदनों में से 6 हजार 417 मांग संबंधी आवेदनों और 86 शिकायत संबंधी आवेदनों का निराकरण पूरा कर लिया गया है। इस प्रकार लीलर क्लस्टर में कुल प्राप्त आवेदनों में से 99.51 प्रतिशत आवेदनों का निराकरण किया जा चुका है। समाधान शिविर में 226 हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं के तहत लाभान्वित किया गया। इनमें राजस्व विभाग द्वारा दो हितग्राहियों को ऋण पुस्तिका और 3 हितग्राहियों को नक्शा, खसरा, बी-1, प्रतिलिपि का वितरण किया गया। इसी तरह पंचायत विभाग द्वारा 10 हितग्राहियों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर की चाबी, 28 हितग्राहियों को पेंशन, 24 हितग्राहियों को नया राशन कार्ड और 10 हितग्राहियों को जॉब कार्ड वितरित किया गया। महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 2 बच्चों का अन्नप्रासन और 3 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई की गई तथा 2 बच्चों को पोषण किट वितरित किया गया।

खबर-खास

एसडीएम एवं कृषि विभाग द्वारा भटगांव में खाद-बीज विक्रेताओं का औचक निरीक्षण

भटगांव (समय दर्शन)। जिले में किसानों को गुणवत्ता युक्त खाद ,बीज , कीटनाशक उपलब्ध कराने के उद्देश्य से जिला कलेक्टर श्री डॉ संजय कन्नौजे के आदेशानुसार स्छरूबिलाईगढ़ डॉ वर्षा बंसल द्वारा भटगांव उपस्थित मेसर्स पुष्पराज केसरवानी के विक्रय संस्थान का औचक निरीक्षण किया गया। विक्रय स्थल पर दैनिक स्टॉक सूची चस्पा नहीं, स्टॉक और भौतिक स्टॉक में अंतर , पुराने खाद का स्टॉक तथा अमानक कीटनाशक का प्रदर्शन करना पाया गया जिसके लिए मेसर्स पुष्पराज केसरवानी को नोटिस दिया है तथा रसायनिक खाद, बीज का सैंपल परीक्षण हेतु लिया गया है पूर्व में भी अन्य 2 संस्थान को भी पूर्व में निरीक्षण किया गया और खाद का सैंपल लिया गया।उक्त निरीक्षण के समय तहसीलदार भटगांव श्रीमती नीलीमा अग्रवाल , बीज निरीक्षक जयप्रकाश गुप्ता , ह्यडुस्त्रश कृष्णा साहू , शाखा प्रभारी प्रकाश कुमार थवाईत उपस्थित रहे।

समाधान शिविर आज खरेंगा में

धमतरी (समय दर्शन)। राज्य शासन की महत्वाकांक्षी सुशासन तिहार के तीसरे चरण में समाधान शिविर आयोजित किए जा रहे हैं। धमतरी विकासखंड के ग्राम पंचायत खरेंगा में 16 मई को समाधान शिविर का आयोजन किया जाएगा। इस शिविरं में उपस्थित लोगों को उनके आवेदनों पर की गई कार्रवाई, मांगो की पूर्ति और समस्याओं पर किए गए समाधान की जानकारी विभागवार, ग्राम पंचायत वार दी जाएगी। कलेक्टर श्री अबिनाश मिश्रा ने शिविर आयोजन की जानकारी ग्राम पंचायतों में मुनादी कराकर लोगों को सूचित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने इन शिविरों में संबंधित क्लस्टर के निर्वाचित जनप्रतिनिधियों और गणमान्य नागरिकों को भी आमंत्रित करने के निर्देश दिए। शिविर स्थलों पर पेयजल, शौचालय आदि की व्यवस्थाएं भी सुनिश्चित करने के निर्देश कलेक्टर ने दिए। इन शिविरों में विभिन्न विभागों द्वारा संचालित शासकीय योजनाओं की जानकारी भी दी जाएगी। इसके साथ ही पात्र हितग्राहियों से आवेदन आदि लेने का काम भी किया जाएगा। स्वास्थ्य शिविर, पोषण शिविर, कृषि यंत्र-सामग्री वितरण, सामाजिक सुरक्षा के तहत विभिन्न उपकरण, सामग्रियों का वितरण आदि भी इन समाधान शिविरों के दौरान होगा।

खरेंगा में आयोजित समाधान शिविर में ग्राम पंचायत उड़ेना, झिरिया, देवरी, दोनर, सेमरा बी, सिवनीखुर्द, बारना, झुरानवागांव, अमेठी, कलारतराई, बंजारी, परसुली, दर्री, खरेंगा, भंवरमरा, सारंगपुरी, देवपुर और ढीमरटिकुर को शामिल किया गया है।

अवैध रूप से हेरोइन उपलब्ध कराने वाला आरोपी गिरफ्तार

दुर्ग (समय दर्शन)। जिले की थाना मोहन नगर पुलिस ने अवैध रूप से चिट्टा (हेरोइन) उपलब्ध कराने वाला पंजाब निवासी एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। मामले में आरोपी के खिलाफ 21(ख) 27(क) नारकोटिक्स एक्ट के तहत अपराध दर्ज किया गया है। मिली जानकारी के अनुसार दिनांक 18.04.2025 को मुखबिर से सूचना मिली थी कि कृषि उपज मंडी सिकोला भाठा दुर्ग में दो व्यक्ति चिट्टा (हेरोइन) बेच रहे है की मुखबीर की सूचना पर घटना स्थल कृषि उपज मंडी सिकोला भाठा दुर्ग, थाना मोहन नगर जिला दुर्ग में मुखबीर सूचना के आधार पर दो व्यक्ति गुरूदेव सिंग बीर्क एवं राजविन्दर सिंग उर्फलड्डू को चिट्टा (हेरोइन) बिक्री करते पकड़ा गया था।

योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाना है- विधायक साहू

सुशासन तिहार के तीसरे चरण में धमधा जनपद के पेड्रावन में समाधान शिविर आयोजित, 2724 आवेदनों में 2661 आवेदन निराकृत

दुर्ग (समय दर्शन)। सुशासन तिहार के तीसरे चरण के अंतर्गत जनपद पंचायत धमधा के शासकीय हाई स्कूल पेण्ड्रावन में समाधान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में विधायक श्री ईश्वर साहू शामिल हुए। इस अवसर पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों ने मंच से शासन की योजनाओं की जानकारी तथा प्राप्त आवेदनों के निराकरण की जानकारी दी। समाधान शिविर में कुल 2724 आवेदन प्राप्त हुए, जिसमें 2661 निराकृत एवं 52 लंबित हैं।

सुशासन तिहार के अंतर्गत जनपद पंचायत धमधा में 1426 आवेदन पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग से संबंधित थे। इसके अतिरिक्त खाद्य विभाग को 632, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन को 178, ऊर्जा विभाग को 81, महिला एवं बाल विकास को 98, स्कूल शिक्षा विभाग को 50 सहित अन्य विभागों को भी अनेक आवेदन प्राप्त हुए। उच्च शिक्षा विभाग को 3, उद्यानिकी विभाग को 5, कौशल विकास तकनीकी शिक्षा एवं रोज़गार विभाग को 4, खनिज साधन को एक, खेल और युवा कल्याण 5, ग्रामोद्योग विभाग को एक, जल संसाधन विभाग को 8, धार्मिक न्याय और धर्मस्व विभाग को 2, परिवहन विभाग को 41, पशुपालन को 39, मछली पालन विभाग को 4, मुख्यमंत्री सचिवालय को एक, लोक निर्माण विभाग को 10, लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी को 45, लोक स्वास्थ्य परिवार कल्याण एवं चिकित्सा शिक्षा विभाग को 9, वन एवं जलवायु परिवर्तन विभाग को एक, वाणिज्य और उद्योग विभाग को एक, वाणिज्यिक कर विभाग को एक, वित्त विभाग को 2, श्रम विभाग को 39, समाज कल्याण विभाग को एक, सहकारिता विभाग को 11, सामान्य प्रशासन एक, आवेदन प्राप्त हुए। शिविर में 18 ग्राम अगार, अकोली, बरहापुर, भरनी, बिरझापुर, डगनिया, देवरी, गोरपा, नंदवाय, नवागांव, पगबंधी, परसकोल, पेंड्रावन, पेंडरी कु, राजपुर, रक्शा, रौंदा, साल्हेखुर्द के नागरिक शामिल हुए।

दुर्ग जिले में आयोजित सुशासन तिहार कार्यक्रम के अवसर पर विधायक श्री ईश्वर साहू ने राज्य और केंद्र सरकार की योजनाओं की सराहना करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार 'साय साय' (तेजी से) जनहित में कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि समाधान शिविर आम जनता की समस्याओं के त्वरित समाधान का एक सशक्त माध्यम बन चुका है।

विधायक श्री ईश्वर साहू ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में योजनाओं का लाभ समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक पहुंचाया जा रहा है। उन्होंने महतारी वंदन योजना, प्रधानमंत्री आवास योजना, और किसानों को बोनस जैसी योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि इनका क्रियान्वयन 'साय-साय' हो रहा है। उन्होंने पंचायत सचिवों को निर्देशित करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण) के अंतर्गत चल रहे सर्वेक्षण कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर समय पर पूर्ण किया जाए, ताकि गरीबों को जल्द से जल्द आवास मिल सके। श्री साहू ने यह भी जानकारी दी कि प्रधानमंत्री आवास ग्रामीण योजना के क्रियान्वयन में दुर्ग जिला पूरे छत्तीसगढ़ में प्रथम स्थान पर है, जो जिले के लिए गर्व की बात है।

समाधान शिविर में हितग्राहियों को स्वामित्व योजना के तहत 42 किसानों को अधिकार पत्र, प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत 6 हितग्राहियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र, स्वच्छ भारत मिशन ग्रामीण के तहत 7 हितग्राही लाभान्वित, मनरेगा के अंतर्गत 4 हितग्राहियों को जॉब कार्ड, 3 हितग्राहियों को राशन कार्ड, जिला सहकारी केंद्रीय बैंक द्वारा खाद एवं बीज खरीदी हेतु 3 हितग्राहियों को नगद राशि प्रदान किया गया। इस अवसर पर अपर कलेक्टर श्री विरेन्द्र सिंह, जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती सरस्वती बंजारे, जिला पंचायत उपाध्यक्ष श्री पवन शर्मा, सरपंच, जनपद पंचायत के सदस्यगण सहित बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि व ग्रामीणजन उपस्थित थे।

मुड़घुसरी पत्थर खदान के फिर शुरू होने से ग्रामीणों में आक्रोश

दो महीने पहले ग्रामीणों ने सौंपा था जिला प्रशासन को ज्ञापन। को बंद करने ज्ञापन सौंपने के दो महीने बाद मुड़घुसरी पत्थर खदान को बंद करने से ग्रामीणों में आक्रोश

कवर्धा (समय दर्शन)। बोड़ला विकासखंड के ग्राम मुड़घुसरी मैदान के पत्थर खदान को बंद कराने की मांग के साथ 18 मार्च को बड़ी संख्या में ग्रामीण जिला मुख्यालय पहुंचे थे और जिला प्रशासन को खदान बंद कराने का आग्रह किया था। इसके बाद भी अब पत्थर खदान फिर से शुरू होने के कारण ग्रामीण परेशान हैं और उनमें आक्रोश बढ़ते जा रहा है। आक्रोशित ग्रामीणों ने खदान बंद नहीं होने पर उग्र आंदोलन की चेतावनी दी है। ग्राम मुडघुसरी मैदान के ग्रामीणों के अनुसार गांव में 20 वर्षों से पत्थर खुदाई कर उक्त स्थल में पत्थर को कश किया जाता है, जिससे आए दिन ग्रामीणों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। उक्त पत्थर खदान संचालक प्रवीण केशरवानी द्वारा किसी भी समय कभी भी बिना मानक व चेतावनी के हाई ब्लास्टिंग कर दिया गया जाता है जिससे गांव में धूल कंकण एवं पत्थर घरों में व खेतों में व लोगों के ऊपर गिर रहा है, जिससे कई बार जानमाल का नुकसान हो चुका है। इतना ही नहीं खेतों में पत्थर बिखरे होते है, जिससे फसलो को भी भारी नुकसान हो रहा है। ग्रामीणों का कहना है कि उक्त ब्लास्टिंग से गांव का जल स्तर नीचे चला गया है एवं गांव में स्थित हैण्डपंप व बोर पंप सूख कर बंद हो गया जिससे गांव में जल संकट उत्पन्न हो चुका है। गांव में गिट्टी हेतु 12 से 16 चक्का हाईवे रोज दर्जनो के हिसाब से गुजरता है, जिससे गांव की सड़क खराब हो चुका है एवं गांव में धूल गर्द का अंबार उड़ते रहता है। जिससे ग्रामवासियों को भारी परेशानियों एवं बिमारी व एलर्जी से गुजरना पड़ रहा है। खदान संचालक द्वारा आज तक उक्त गांव के सड़क का सुधार नहीं किया गया है। जबकि उक्त खदान तयसुदा से अधिक निकासी किए जा चुके है एवं पानी भरने से कई बार जानवर उक्त पानी में डूबकर मर चुके है। जिसका खमियाजा गरीब किसान व गांव वाले उठा रहे है व गांव वालों द्वारा किसी प्रकार की शिकायत करने पर कोई कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में आक्रोश का माहौल बना हुआ है। मुंशीराम, कन्हैया, अंतराम, जनक, शिवचरण, राजू साहू, सुरेश ध्रुर्वे, दुर्गेश ध्रुर्वे, सुखचंद, किशन यादव, करन पटेल, स्वरूप राम आदि ग्रामीणो का कहना है कि यह गांव एक बैगा आदिवासी बाहुल्य अत्यंत पिछड़ा गांव है, जो आज भी मूलभुत सुविधा से वंचित है।

कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय बँसुला द्वारा प्रीपेटरी कैंप का आयोजन

बसना(समय दर्शन)। प्रीपेटरी कैंप के तहत प्रवेश हेतु बीते दिन कस्तूरबा गांधी बालिका आवासीय विद्यालय के द्वारा बसना के दूरस्थ ग्रामों में पिछडी जाती एवं अन्य विशेष आवश्यकता वाले पात्र बच्चों से सम्पर्क किया गया।

इसके तहत् ग्राम चिपरीकोना के पलायन कर्ता बच्चों एवं पालकों से सम्पर्क कर उसे कस्तूरबा आवासीय विद्यालय के निशुल्क प्रवेश एवं शिक्षण संबंधी सुविधाओं को बताते हुए बालिकाओं की शिक्षा एवं प्रवेश हेतु प्रोत्साहित किया गया। जिसमें ग्राम खोपला एवं चिपरीकोना जमदारहा के पूर्व में शिक्षा प्राप्त कर निकले छात्रायें भी सामिल हुई थी । उन्होंने स्वयं का उदाहरण प्रस्तुत कर शिक्षा के महत्व को बताया । इसी प्रकार पालकों से भी सम्पर्क किया गया।

आवासीय विद्यालय बँसुला में प्रवेश एवं शिक्षा प्राप्ति हेतु प्रेरित कर गांव के चौराहों पर छात्रावास में प्रवेश संबंधी जानकारी आदि को चस्पा किया गया ।

इस प्रीपेटरी कैंप में अच्छी संख्या में गांवों के पालकों एवं बच्चों से सम्पर्क बनाया गया। सम्पूर्ण सम्पर्क अभियान कस्तूरबा छात्रावास अधीक्षिका गीतांजलि नाग के नेतृत्व में सम्पन्न हुआ। जिसमें सक्रिय सहभागिता शिक्षिका सविता कुमार.किरण मलिक, संतोषी साव, जमदारहा के शिक्षक भाई शंकर सिदार एवं पूर्व सरपंच श्रीमती ललिता सिदार का विशेष सहयोग रहा। इस प्रकार यह प्रीपेटरी कैंप अभियान सफल रहा।

पोस्ट ऑफ द मंथ के विजेताओं का हुआ समान

नंदिनी अहिवारा (समय दर्शन)। पोस्ट ऑफ द मंथ के विजेता शिक्षकों को और एफएलएन एंडलाइन आंकलन में विकासखण्ड स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले शिक्षकों को बी.ई.ओ , ए.बी.इ.ओ और बी.आर.सी से अवार्ड एवं प्रमाणपत्र से सम्मानित किया गया। जिला प्रशासन, समग्र शिक्षा परियोजना कार्यालय जिला दुर्ग के सहयोग से संचालित आचार्य विनोबा भावे शिक्षक सहायक कार्यक्रम के अंतर्गत ब्लॉक में पोस्ट ऑफ द मंथ अप्रैल माह के ब्लॉक स्तर के विजेता शिक्षकों को प्रमाणपत्र एवं गिफ्ट देकर सम्मानित किया गया। विनोबा ऐप शिक्षकों के लिए उपलब्ध कराया गया एक डिजिटल प्लेटफॉर्म है। उत्कृष्ट गतिविधियों को क्रियान्वित करने वाले शिक्षकों को पोस्ट ऑफ द मंथ पुरस्कार के लिए चुना जाता है।

पोस्ट ऑफ द मंथ के तहत उत्कृष्ट कार्य करनेवाले सेजस बोरी से संगीता शाह और मिडिल स्कूल पथरिया में से दुलारी ध्रुव को सम्मानित किया गया। साथ ही स्वस्थ एंडलाइन आंकलन में ब्लॉक लेवल टॉप 1 प्राथमिक शाला रौंदा को सम्मानित किया गया। इस प्रोग्राम मे बी.ई.ओ कैलाश साहू ,ए.बी.इ.ओ बेनिराम वर्मा और बी.आर.सी महावीर वर्मा , विनोबा टीम से प्रोग्राम मैनेजर हेमंत शाहू और प्रोजेक्ट ऑफिसर प्राची तुमसरे उपस्थित थे.

प्रभारी सचिव श्रीमती रेणु पिल्ले ने लीलर में निर्माणाधीन प्रधानमंत्री आवास का किया निरीक्षण

धमतरी (समय दर्शन)। प्रदेश की अपर मुख्य सचिव एवं जिले की प्रभारी सचिव श्रीमती रेणु जी. पिल्ले जिले के प्रवास पर पहुंची। उन्होंने लीलर गांव में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत निर्माणाधीन आवास का अवलोकन किया। श्रीमती पिल्ले ने प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत लाभान्वित हितग्राही श्रीमती हेमलता नेताम से चर्चा कर योजना का फीडबैक लिया। प्रभारी सचिव ने हितग्राही से आवास स्वीकृत होने का वर्ष, प्राप्त किश्ते, निर्माण सामग्री की खरीदी आदि की जानकारी ली। श्रीमती हेमलता ने बताया कि वह जीवन यापन के लिए रोजी-मजदूरी का काम करती है।

प्रथम चरण में स्वास्थ्य क्षेत्र पर बुनियादी मात्रात्मक जानकारी की जा रही प्राप्त

गरियाबंद (समय दर्शन)। भारत सरकार के राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय के निर्देशन में वर्ष 2025 के दौरान राष्ट्रीय प्रतिदर्श सर्वेक्षण का 80 वां दौर देशभर में जनवरी 2025 से प्रारंभ किया गया है।जिसके प्रथम चरण का प्रारंभ छ.ग.में आर्थिक एवं सांख्यिकी विभाग के मार्गदर्शन में संचालनालय एवं जिले के प्रगणकों द्वारा चयनित गणना खण्डों में सर्वे का कार्य प्रारंभ किया गया है।सर्वेक्षण के प्रथम चरण में घरेलु सामाजिक उपभोग स्वास्थ्य क्षेत्र पर बुनियादी मात्रात्मक जानकारी प्राप्त करना है।इसमें विभिन्न आयु,लिंग समूहों के बीच गुणवत्ता की व्यापकता दर के निर्धारण के लिए प्रासंगिक प्राप्त किया जाएगा। इसके अलावा सरकार द्वारा प्रदान की गई स्वास्थ्य सेवाओं के उपभोग की सीमा का मापन,अस्पताल में भर्ती होने या चिकित्सा संस्थानों में भर्ती होने पर प्राप्त चिकित्सा देखभाल पर व्यय, सरकारी अस्पतालो के उपयोग की सीमा और सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों से प्राप्त उपचार पर होन वाले व्यय का अनुमानित ब्योरा का आकलन किया जाएगा।कलेक्टर बी.एस.उइके ने आमजनों से प्रगणकों को सही-सही जानकारी देकर नीति निर्धारण में सहभागिता की अपील की है। इस सर्वेक्षण में कुछ व्यापक संक्रामक बीमारियों से प्रभावित आबादी, वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों की उपयोग की व्यापकता उपचार की लागत और कवर की गई बीमारियों के प्रकार,दवाओं की भुमिका पता लगाने में मदद मिलेगी।

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय मे मामला क्रमांकः
202505101500040

विषयः- अ-27, मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः-2024-2025
झाड़मोखली (प ह न. 00042),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार तारचंद वर्मा, कमलेश कुमार वर्मा, रितेशकुमार वर्मा, अनावेदक पक्षकार - तारचंद वर्मा, कमलेश कुमार वर्मा, रितेशकुमार वर्मा

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम झाड़मोखली प.ह.नं. 42 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक तारचंद वर्मा पिता प्रहलाद वर्मा निवासी ग्राम झाड़मोखली द्वारा मौजा ग्राम झाड़मोखली हल्का नंबर 42 तहसील पाटन स्थित संयुक्त खाते की भूमि ख.नं. 200/2, 200/3, 496 रकबा 0.28, 0.16, 0.82 हे. भूमि का आवेदक एवं अनावेदकगण के मध्य पूर्व में हुए बटवारा व कास्त कब्जा के अनुसार खाता विभाजन किये जाने हेतु प्रस्तुत आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचारधीन है।

अतः आवेदक तारचंद वर्मा पिता प्रहलाद वर्मा द्वारा खाता विभाजन से उपरोक्त दर्शित भूमि खाता विभाजन किये जाने कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 02-06-2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/05/2025 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय में मामला क्रमांकः
202505101500038

विषयः- अ-27, मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः-2024-2025
डिडगा (प ह न. 00042),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - तारचंद, कमलेश कुमार वर्मा, रितेशकुमार वर्मा, अनावेदक पक्षकार - तारचंद, कमलेश कुमार वर्मा, रितेशकुमार वर्मा,

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम डिडगा प.ह.नं. 42 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक तारचंद वर्मा पिता प्रहलाद वर्मा निवासी ग्राम झाड़मोखली द्वारा मौजा ग्राम डिडगा हल्का नंबर 42 तहसील पाटन स्थित संयुक्त खाते की भूमि ख.नं. 22, 24/2 रकबा 0.41, 0.11 हे. को आपसी सहमती एवं कास्त कब्जा के अनुसार खाता विभाजन किये जाने हेतु प्रस्तुत आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचारधीन है।

अतः आवेदक तारचंद वर्मा पिता प्रहलाद वर्मा द्वारा खाता विभाजन से उपरोक्त दर्शित भूमि खाता विभाजन किये जाने कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 02-06-2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/05/2025 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

न्यायालय नायब तहसीलदार पाटन के न्यायालय मे मामला क्रमांकः
202505101500035

विषयः- अ-27, मामले की श्रेणीः- राजस्व
सनः- 2024-2025
रेगाकठेरा (प ह न. 00042),
पक्षकारों का विवरण - आवेदक पक्षकार - तारचंद वर्मा, कमलेशकुमार वर्मा, रितेशकुमार वर्मा, अनावेदक पक्षकार - तारचंद वर्मा, कमलेशकुमार वर्मा, रितेशकुमार वर्मा,

// ईश्तहार //

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम रेगाकठेरा प.ह.नं. 42 तहसील पाटन, जिला दुर्ग के आम जनता को सूचनार्थ प्रकाशित किया जाता है कि आवेदक तारचंद वर्मा पिता प्रहलाद वर्मा निवासी ग्राम झाड़मोखली द्वारा मौजा ग्राम रेगाकठेरा हल्का नंबर 42 तहसील पाटन स्थित संयुक्त खाते की भूमि ख.नं. 511/1, 548/2 रकबा 0.42, 0.76 हे. को आपसी सहमती एवं कास्त कब्जा के अनुसार खाता विभाजन किये जाने हेतु प्रस्तुत आवेदन आधार पर प्रकरण न्यायालय में विचारधीन है।

अतः आवेदक तारचंद वर्मा पिता प्रहलाद वर्मा द्वारा खाता विभाजन से उपरोक्त दर्शित भूमि खाता विभाजन किये जाने कार्यवाही में जिस किसी व्यक्ति संस्था को आपत्ति हो तो अपनी लिखित आपत्ति प्रकरण में सुनवाई तिथि 02-06-2025 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार का विचार नहीं किया जावेगा।

यह ईश्तहार मेरे हस्ताक्षर एवं पदमुद्रा से आज दिनांक 09/05/2025 को जारी किया जाता है।

नायब तहसीलदार
पाटन, जिला- दुर्ग (छ.ग.)
मुहर

छ.ग. स्टेट पॉवर डिस्ट्री कंपनी लिमि., राजनांदगांव

आवश्यक सूचना

सम्माननीय विद्युत उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि मानसून पूर्व विद्युत लाईनों एवं उपकरणों के आवश्यक सुधार कार्य हेतु निम्नलिखित क्षेत्रों में प्रातः 6.00 बजे से दोपहर 12.00 बजे तक निम्न तालिका अनुसार दर्शाई गई तिथियों में विद्युत प्रदाय बंद रहेगी :-

क्र.	दिनांक	दिन	फीडर का नाम	स्थान कहां से कहां तक	प्रभावित क्षेत्र
1.	17.05.2015	शनिवार	11 केव्ही लिटिया	बागतराई से खपरीकला	मकरनपुर, खपरीकला, डिलापहरी
2.	18.05.2015	रविवार	11 केव्ही गठुला	गठुला औद्योगिक फीडर	गठुला औद्योगिक सभी कनेक्शन
3.	19.05.2015	सोमवार	11 केव्ही कांकेतरा	कांकेतरा से डोम्हाटोला	डंगनिया, रैंगाकठेरा, बुंदेलीकला, मोहबा, डारागांव
4.	21.05.2015	बुधवार	11 केव्ही भेड़ीकला	भांटागांव से शिकारीटोला	बोईरडीह, परेवाडीह, शिकारीटोला, तुमडीलेवा
5.	22.05.2015	गुरूवार	11 केव्ही कांकेतरा	सबस्टेशन गठुला से डोम्हाटोला	कांकेतरा, डंगनिया, रैंगाकठेरा, सिंगपुर, डोम्हाटोला, बुंदेलीकला, मोहबा, डारागांव
6.	24.05.2015	शनिवार	11 केव्ही बोरी	बोरी बिजली ऑफिस से भाटागांव	बोईरडीह, जोरातराई, औद्योगिक कनेक्शन
7.	26.05.2015	सोमवार	11 केव्ही भेड़ीकला	बोरी बिजली ऑफिस से बोईरडीह	भेड़ीकला, पारीकला, परेवाडीह, बोईरडीह, तुमडीलेवा, भांठागांव
8.	27.05.2015	मंगलवार	11 केव्ही ढाबा	चिखली से धर्मापुर	धर्मापुर, बरगाही
9.	28.05.2015	बुधवार	11 केव्ही बिहावबोड़	बिहावबोड़ से वनचेतना बगीचा	बिहावबोड़, पचपेड़ी, झुराडबरी, परसबोड़, वनचेतना, बगीचा
10.	29.05.2015	गुरूवार	11 केव्ही खैरझिटी	सबस्टेशन बघेरा से खैरझिटी	जराही, खैरझिटी, डुमरडीहखुर्द, देवडोंगर, कलडबरी
11.	30.05.2015	शुक्रवार	11 केव्ही बोरी	सबस्टेशन गठुला से तिलई	तिलई, बोरी एवं औद्योगिक कनेक्शन

टीप:- आवश्यकतानुसार समयावधि घटाई/बढ़ाई जा सकती है। असुविधा के लिए खेद है।
स्वहित एवं राष्टहित में विद्युत की बचत कीजिए।

आर.के. गोस्वामी
कार्यपालन अभियंता
(संचा/संधा) संभाग
छ.ग. स्टेट पा. डिस्ट्री कं. लिमि., राजनांदगांव

पीएम आवास योजना में लापरवाही नहीं की जायेगी बर्दाश्त -कलेक्टर उइके

कलेक्टर ने मैनपुर ब्लॉक के पीएम आवास योजना की समीक्षा की

गरियाबंद (समय दर्शन)। जिले में प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत कार्यों को पूर्ण कराने कलेक्टर बी.एस.उइके जिले के सभी विकासखण्ड मुख्यालयों में जाकर मैदानी अमलों की लगातार बैठक ले रहे हैं। इसी कड़ी में आज मैनपुर के सामुदायिक भवन में ग्राम पंचायत सचिव,रोजगार सहायक एवं आवास मित्रों की बैठक लेकर प्रधानमंत्री आवास योजना की गहन समीक्षा की।कलेक्टर ने बैठक में पीएम आवास की कम प्रगति एवं कार्य अपूर्णता पर गहरी नाराजगी जताते हुए कुल 34 ग्राम पंचायत सचिवों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिये।इनमें ग्राम पंचायत कुहीमाल, घुमरापदर, खोखमा, शोभा, धोबनमाल,भूतबेड़ा, सरनाबहाल, भेजीपदर, कोयबा,जांगड़ा, ढोढर्रा, मुड़ागांव, धारनीधोढा,धनोरा, गोलामाल, कुचेंगा, कोकड़ी,इंदागांव, साहेबिनकछार, बोईरगांव,खजूरपदर, बुरजाबहाल, तौरेंगा,अड़गड़ी,अमाड़, गोढ़ियारी, सगड़ा ,सिहारलटी,गरहाडीह, देहारगुड़ा, साल्हेभाठा, कुल्हाड़ीघाट, बुड़गेलटप्पा एवं गौरगांव के पंचायत सचिव शामिल

है।कलेक्टर ने बैठक में कहा कि प्रधानमंत्री आवासा योजना केन्द्र सरकार की महत्वपूर्ण एवं फ्लैगशिप योजना है।इसके तहत पात्र लोगों को आवास की सुविधा प्रदान की जा रही है। इस योजना के क्रियान्वयन में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जायेगी।लापरवाही एवं स्वेच्छाचारिता पाये जाने पर संबंधितों पर कड़ी कार्यवाही की जायेगी।

उन्होंने पंचायत वार स्वीकृत कार्यों,प्रगतिरत,हितग्राहियों को प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय किश्त आबंटन एवं अप्रारंभ कार्यों की जानकारी लेकर अप्रारंभ कार्यों को जल्द शुरू करने और जारी कार्यों को समय सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए।इस दौरान बैठक में जिला पंचायत सीईओ जीआर मरकाम,अपर कलेक्टर नवीन भगत,एसडीएम पंकज डाहिरे,सीईओ जनपद श्वेता वर्मा सहित तकनीकी सहायक,पंचायत सचिव, रोजगार सहायक,आवास मित्र एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी मौजूद रहे।

संक्षिप्त-खबर

रियांश ने 10 वीं परीक्षा में स्कूल के टाप में बनाई जगह, 95.8 प्रतिशत अंक अर्जित किए

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर निगम के एम.आई.सी. प्रभारी नरेन्द्र बंजारे के होनहार पुत्र रियांश बंजारे ने सीबीएसई कोर्स में 10 वीं की परीक्षा में स्कूल में टाप विद्यार्थियों के बीच जगह बनाकर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया है। रियांश बंजारे श्री शंकराचार्य विद्यालय हुडको भिलाई में अध्ययनरत है। स्कूल प्रबंधन ने 10 वीं परीक्षा में टाप स्थान हासिल करने वालों की सूची जारी की है। जिसमें रियांश बंजारे ने 95.8 प्रतिशत अंक पाकर तीसरे क्रम में अपना स्थान बनाया है। रियांश बंजारे साफ्टवेयर के क्षेत्र में एआई इंजीनियर बनने की इच्छा रखते हैं। परिवार से मिली जानकारी के अनुसार रियांस बचपन से ही पढ़ाई के प्रति गहरी रुचि रखते हैं। उन्होंने अपनी इस सफलता का श्रेय अपने पिता नरेन्द्र बंजारे माता भारती बंजारे व गुरुजनों के साथ स्कूल प्रबंधन को दिया है। रियांश को बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। वार्ड में खुशी का माहौल है। बता दे कि अमूमन राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय लोगों में यह बहुत कम ही देखने का मिलता है कि परिवार में बच्चे भी पढ़ाई के क्षेत्र में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करें लेकिन एम.आई.सी. प्रभारी व शहर के भाजपा नेता नरेन्द्र बंजारे राजनीति में सक्रिय होने के साथ साथ परिवार में संस्कार को भी आगे बढ़ाने में सफल रहे हैं।

श्रम विभाग के द्वारा नि:शुल्क पंजीयन एवं नवीनीकरण सम्पन्न हुआ

बसना(समय दर्शन)। जनपद सदस्य सभापति महिला बाल विकास विभाग प्रकाश सिन्हा के निर्देशन एवं सहयोग से ग्राम पंचायत अंकोरी के कार्यालय में छत्तीसगढ़ शासन द्वारा नि:शुल्क श्रम कार्ड पंजीयन व नवीनीकरण तथा एक दिवसीय शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर आयोजन का विशेष लक्ष्य मजदूर तथा कामगार वर्गों को श्रम विभाग के अंतर्गत आने वाले शासन के विभिन्न योजनाओं का लाभ दिलाना। इस आयोजन में सैकड़ों की संख्या में लोग शामिल हुए।जिसमें लगभग 70-80 नये श्रमिकों का पंजीयन हुआ तथा 10-15 नवीनीकरण हुए।

इस शिविर में प्रकाश सिन्हा सभापति महिला बाल विकास विभाग जनपद सदस्य, नरेन्द्र बोरे , महेंद्र प्रधान,युगल किशोर खुटे ,मुरली नायक ,दीपक जगत, सरपंच मिश्रा दीप एवं श्रम विभाग की अधिकारीयों के उपस्थिति में आयोजन सफल रहा।

31 मई को बेलटुकरी में होने वाला समाधान शिविर अब कौंदकेरा में होगा

गरियाबंद (समय दर्शन)। राज्य शासन के निर्देशानुसार जिले में सुशासन तिहार 2025 का किया जा रहा है।जिसके तहत तृतीय एवं अंतिम चरण में 5 से 31 मई तक समाधान शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार 31 मई 2025 को ग्राम पंचायत बेलटुकरी में समाधान शिविर आयोजित किया गया था,जिसे संशोधित करते हुए 31 मई 2025 को ही शासकीय हाईस्कूल कौंदकेरा प्रांगण में समाधान शिविर का आयोजन किया जायेगा।

महतारी वंदन योजना की राशि से बेटियों की भविष्य होगी सुरक्षित, सुकन्या समृद्धि योजना में किया जमा

रायपुर (समय दर्शन)। छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाकर उन्हें हर तरह से सबल एवं सक्षम बनाने हेतु शुरू की गई महतारी वंदन योजना राज्य के महिलाओं के लिए हर तरह से उपयोगी एवं अत्यंत लाभप्रद है। राज्य की महिलाएं इस योजना से प्रतिमाह मिलने वाली राशि का उपयोग इलाज, घरेलु कार्य एवं अन्य जरूरी कार्यों के लिए करने के साथ-साथ अपने बच्चों को अच्छी शिक्षा-दीक्षा दिलाने में भी कर रहीं है।

राज्य सरकार का महत्वाकांक्षी महतारी वंदन योजना सुकमा जिले के आदिवासी बहुल ग्राम फुलबगड़ी की ग्रामीण महिला श्रीमती माड़वी अनिता के लिए मुश्किल वक्त का सहारा बन गया है। अनिता ने बताया कि महतारी वंदन योजना के अंतर्गत प्रतिमाह मिलने वाली राशि भविष्य में उनके बच्चों के पढ़ाई-लिखाई के लिए बहुत बड़ा सहारा बनेगा। श्रीमती माड़वी ने बताया कि उनकी दो बेटियां हैं। बेटियों के उज्जवल भविष्य के लिए महतारी वंदन योजना से मिलने वाली राशि को उनके द्वारा प्रतिमाह सुकन्या समृद्धि योजना के बैंक खाते में जमा किया जाता है। भविष्य में बड़ी राशि मिलने की उम्मीद से काफी खुशी होती है।

इस तरह से छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा महतारी वंदन योजना लागू करने से अनिता के परिवार की बहुत बड़ी चिंता दूर हुई है। इसके लिए उन्होंने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व वाली छत्तीसगढ़ सरकार को हृदय से धन्यवाद देते हुए उनके प्रति विनम्र आभार व्यक्त किया है।

स्व.भोजराज बरिहा के आकस्मिक निधन पर सहायक शिक्षक फेडरेशन ने शोकाकुल परिजनों को सांत्वना प्रकट किया

सरायपाली (समय दर्शन)। सहायक शिक्षक/समग्र शिक्षक फेडरेशन ब्लाक इकाई सरायपाली संघ के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने संघ के सदस्य स्वर्गीय भोजराज बरिहा सहायक शिक्षक सेवारत शाला शासकीय प्राथमिक शाला सूखापाली संकुल केन्द्र कलेण्डा (सिंघोड़ा) के आकस्मिक निधन हो जाने पर उनके दशकर्म कार्यक्रम पैतृक गृहग्राम दाऊगुड़ी में सम्मिलित होकर उनके आश्रित शोकाकुल परिवार को सांत्वना प्रदान करते हुए भविष्य में संघ से शिक्षा विभाग के विभागीय सहायता अनुकम्पा नियुक्ति से लेकर कार्यालयीन समस्त भुगतानों के लिए हर संभव सहयोग प्रदान करने का विश्वास दिलाते हुए सहायक शिक्षक/ समग्र शिक्षक फेडरेशन ब्लाक सरायपाली संघ के परम्परा अनुरूप आर्थिक सांत्वना सहयोग राशि 31700 रुपए एवं संकुल केन्द्र कलेण्डा के समस्त शिक्षकों द्वारा पृथक रूप से 19200 रुपए कुल 50900 रुपए की राशि उनके धर्मपत्नी श्रीमती मीना बरिहा एवं पिता श्री विक्रम बरिहा को प्रदान कर दिवंगत आत्मा के लिए श्रध्दांजली सभा में श्रध्दा सुमन अर्पित किए। इस अवसर पर प्रमुख रूप से सहायक शिक्षक समग्र शिक्षक फेडरेशन ब्लाक सरायपाली के पदाधिकारी एवं सदस्यगण मनोज राय अध्यक्ष श्रीमती निरूपमा देवता राजकुमारी पटेल शांति पटेल सुश्री लेखा नागवंशी अंगद बारिक गोरखलाल पण्डा राजेन्द्र सिंह सिदार भूपेन्द्र सिंह नेताम जगजीवन रत्नाकर गणेश चौहान सुंदरलाल डड़सेना केशव साहू नारायण गढतिया चंद्रभानु बरिहा हेमचंद पटेल गुणवंत भोई खीरसागर चौहान लीलाशंकर पटेल सुभाष चौधरी प्रदीप राणा सहित संकुल केन्द्र कलेण्डा और विकास खंड सरायपाली के शिक्षक गण उपस्थित रहे।

समाधान शिविर में हितग्राहियों के आवेदनों का किया जा रहा निराकरण फिंगेश्वर के परसदाजोशी में शिविर का हुआ आयोजन

गरियाबंद (समय दर्शन)। सुशासन तिहार 2025 के अंतर्गत जिले में समाधान शिविर का आयोजन किया जा रहा है।शिविर में लोगों की मांग एवं समस्याओं से संबंधित आवेदनों का निराकरण किया जा रहा है। इसी कड़ी में आज विकासखण्ड फिंगेश्वर के ग्राम परसदाजोशी में समाधान शिविर का आयोजन किया गया।शिविर में विभागीय अधिकारियों द्वारा विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई। साथ ही सुशासन तिहार के दौरान प्राप्त आवेदनों के निराकरण की स्थिति से अवगत कराया गया।शिविर में कृषि विभाग द्वारा 8 किसानों को धान बीज,3 किसानों को नये किसान क्रेडिट कार्ड,7 हितग्राहियों को किसान किताब,स्वास्थ्य विभाग द्वारा 5 हितग्राहियों को आयुष्मान कार्ड,समाज कल्याण विभाग द्वारा 3 हितग्राहियों को मोटराईज्ड ट्रायसाइकल,4 दिव्यांग को श्रवण यंत्र का वितरण किया गया।इसी तरह महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा 7 गर्भवती महिलाओं की गोदभराई व 5 बच्चों का अन्नप्राशन किया गया।शिविर में कलेक्टर बी.एस.उइके,अपर कलेक्टर नवीन भगत,एसडीएम विशाल महाराणा, जिला पंचायत सभापति नंदिनी ढीढी, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत फिंगेश्वर सतीश यादव,जनपद सभापति दिलीप साहू,वरिष्ठ नागरिक ईश्वर साहू,रिकेश साहू,कोमल ढीढी सहित अन्य जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

इस अवसर पर कलेक्टर बीएस उइके ने मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के मंशानुरूप राज्य में शुरू किए गए सुशासन तिहार के आयोजन के उद्देश्यों के संबंध में विस्तार से जानकारी दी।कलेक्टर श्री उइके ने सुशासन तिहार के आयोजन के निर्णय को राज्य सरकार के अत्यंत जनहितैषी एवं संवेदनशील निर्णय बताते हुए सराहना की। उन्होंने कहा कि इस सुशासन तिहार के माध्यम से राज्य सरकार के द्वारा शासकीय काम-काज में पारदर्शिता लाने तथा शासकीय योजनाओं और कार्यक्रमों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करने का कारगार प्रयास किया गया है। श्री उइके ने कहा कि सुशासन तिहार के अंतर्गत पहले चरण में प्राप्त आवेदनों का समुचित परीक्षण कर दूसरे चरण के दौरान संबंधित विभाग के अधिकारियों के द्वारा उन सभी आवेदनों का निराकरण सुनिश्चित किया गया है।

बिजली,पानी सहित कई समस्याओं के निराकरण के लिए ग्रामीणों ने विधायक चातुरी नंद से लगाई गुहार

भंवरपुर में विधायक जन चौपाल का शुभारंभ

विधायक चातुरी नंद ने पेयजल, बिजली सहित अन्य समस्याओं के लिए त्वरित निराकरण हेतु मौके पर ही अधिकारियों को किया निर्देशित

बसना(समय दर्शन)। सरायपाली विधायक चातुरी नंद ने बसना विकासखण्ड के भंवरपुर में विधायक जन चौपाल का शुभारंभ किया। इस मौके पर क्षेत्र के कई गांवों के ग्रामीणों ने विधायक चातुरी नंद से बिजली,पानी सहित कई समस्याओं के निराकरण के लिए ग्रामीणों ने विधायक चातुरी नंद से गुहार लगाई। ग्रामीणों की समस्याओं पर त्वरित संज्ञान लेते हुए विधायक चातुरी नंद ने पेयजल, बिजली सहित अन्य समस्याओं के लिए निराकरण हेतु मौके पर ही अधिकारियों को निर्देशित किया।

विधायक जन चौपाल में ग्राम भंवरपुर के वार्ड नंबर 8 निवासी गौतम भोई और अन्य लोगों ने पेयजल समस्या से विधायक चातुरी नंद को अवगत कराया। उनकी समस्याओं के निराकरण हेतु उन्होंने तुरंत पी एच ई विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया।

इसी तरह भंवरपुर के सरिता श्रीवास ने महतारी वंदन का लाभ नहीं मिलने की शिकायत विधायक चातुरी नंद से की जिस पर उन्होंने संबंधित अधिकारियों को महतारी वंदन का लाभ दिलाने के लिए निर्देश प्रदान किया। विधायक चातुरी नंद से ग्राम भंवरपुर के संत कुमार पटेल और अन्य ग्रामीणों ने तहसीलदार के भ्रष्टाचार और अनियमितता की भी शिकायत की जिस पर विधायक नंद ने उच्चाधिकारियों को इसकी जांच कर कार्रवाई करने निर्देशित किया।

इसी तरह गंगा नायक, डोलामणि पटेल, समेलाल भोई सहित अन्य ग्रामीणों ने भी अपनी समस्याओं से अवगत कराया।

इस अवसर पर ग्राम पंचायत भंवरपुर के सरपंच कृष्णा कुमार सिदार वरिष्ठ कार्यकर्ता लोकनाथ पटेल, वरिष्ठ कार्यकर्ता श्रवण पटेल विधायक प्रतिनिधि रमेश पटेल, विधायक प्रतिनिधि घसिया सिदार, सत्या भोई, लीलाकांत पटेल, विक्की वैष्णव,ढोला पटेल ,रुपेश वैष्णव ,ठंडाराम पटेल ,पूरन पटेल ,समय लाल भोई सहित कृषि विभाग, बिजली विभाग, पुलिस और अन्य विभाग के अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

ऑडिटोरियम में चल था अभद्र स्टैंडअप कॉमेडी आयोजन, बजरंग दल ने कराया बंद, कहा-संस्कृति विरूद्ध कार्यक्रम नहीं होने देंगे संचालित

राजनांदगांव (समय दर्शन)। शहर के ऑडिटोरियम में प्रणव शर्मा नामक कॉमेडियन का शो आयोजित किया गया, जहां जिला संयोजक राहुल बलदेव मिश्रा ने बताया कि प्रणव शर्मा बाहर से आया हुआ कॉमेडियन है, जिसके शो में अभद्रता एवं गालियों से कॉमेडी की सूचना विभाग सहसंयोजक सुनील सेन ने दूरभाष से दिया। पश्चात आयोजन के पूर्व ही विहिप, बजरंग दल द्वारा आयोजकों को शो में अभद्रता एवं गालियों से दूर रख साफ-सुथरा आयोजन कराने की समझाइश दी गई, परंतु शो शुरू होने के कुछ देर बाद कॉमेडियन अपनी अभद्रता एवं गालियों से कॉमेडी सीन को बताने लगा। सूचना मिलते ही तत्काल बजरंग दल की टीम मौके पर पहुंच कार्यक्रम को बंद कराया। पूर्व में आयोजकों को समझाइश के बाद भी इसे कृत्य किया जाना असहनीय है। नगर संयोजक प्रिंस प्रशांत ने बताया कि शहर में संस्कृति विरूद्ध कार्यक्रम यदि हुए तो बजरंग दल इसका खुले तौर पर विरोध करता है। संगठन ने थाने में इस आयोजन के खिलाफशिकायत भी की है। राजनांदगांव संस्कारधानी जाना जाता है, जिसमें संस्कारविहीन कार्यक्रम का संचालन होना पूरी तरह से गलत है। उक्त स्थान पर विहिप जिला सामाजिक समरसता प्रमुख बाबाजी मेश्राम, बजरंग दल जिला संयोजक राहुल बलदेव मिश्रा, संतोष तुरहाटे, नगर संयोजक प्रिंस हाथीबेड सहित नगर सुरक्षा प्रमुख अभिषेक शर्मा, सनमय श्रीवास्तव, प्रणय मुल्लेवर, शानू वर्मा, प्रतीक गड़ेवाल सहित संगठन के सैकड़ों बजरंगी उपस्थित रहे।

शहर नाला/नालियों की सफाई को लेकर व शहर से अतिक्रमण हटवाने निगम एटिव

महापौर श्रीमती अलका बाघमार ने संभाला मोर्चा

मेयर ने कहा राजनीति नहीं कार्रवाही करने निकले है,भाजपा, कांग्रेस की बात नही,सभी अतिक्रमण हटेंगे

दीपक नगर क्षेत्र में महापौर व सभापति द्वारा सफाई अभियान चलाया गया,नालियों में कचरा न डालने की अपील

दुर्ग (समय दर्शन)। नगर पालिक निगम महापौर अल्का बाघमार ने सभापति श्याम शर्मा,एमआईसी शेखर चन्द्राकर, शिव नायक,लीलाघर पाल,पार्षद मनोज सोनी के साथ खुद खड़े होकर क्षेत्र की नाली की सफाई कराई।

यह नाली कई महीनों से साफ नहीं की गई थी। महापौर ने सभापति श्याम शर्मा, एमआईसी टीम के साथ दीपक नगर वार्ड 23 क्षेत्र का दौरा कर क्षेत्र के आसपास नाली स्लैब को हटवाकर सफाई कराई। इसके बाद दीपक नगर के गलियों के अलावा दीपक नगर से स्टेशन जाने वाली मार्ग से गली न. 2,3,4,5 सहित विभिन्न गलियों का निरीक्षण करते हुए सफाई करवाई। महापौर ने कहा राजनीति नही कार्रवाही करने निकले है,भाजपा,कांग्रेस की बात नही सभी के अतिक्रमण हटाये जायेगे नही होगा कोई भेदभाव। महापौर व सभापति ने दुकानदार से नाली के भीतर कचरा नही डालने की समझाइस के साथ जुर्माना राशि वसूल किया।उन्होंने कहा सभी दुकानदार कचरा डस्टबिन में डाले।सड़क पर बिल्डिंग निर्माण मटेरियल देख नाराजगी व्यक्त करते हुए जुर्माना की कार्रवाही के निर्देश दिए। दीपक नगर क्षेत्र के दुकानदारों को व्यवस्थित ढंग से नाली क्षेत्र सीमा के अंतर्गत करने कहा। साथ ही कहा कि कब्जेधारी नोटिस के बाद भी नहीं हटे तो निगम कार्रवाई करेगी। महापौर अलका बाघमार ने नाली सफाई कार्य में बाधित स्लैब लगाने वालों को 24 घंटे में हटाने कहा।उन्होंने रेवा तालाब की सफाई करवाना के लिए अधिकारियों को निर्देश दिये। सुबह निरीक्षण के दौरान पार्षद संजय अग्रवाल,युवराज निकुंम,गुड्डू यादव, उपायुक्त मोहेंद्र साहू,स्वास्थ्य अधिकारी धर्मेंद्र मिश्रा,उपअभियंता हरिशंकर साहू,उपअभियंता विनोद मांझी,शोएब अहमद,संभव जैन सहित अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहें।

स्वामित्वधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक रोहित खड़तकर द्वारा समय दर्शन प्रिंटर्स एंड पब्लिशर्स ग्राम छाटा, पोस्ट देवादा, तहसील पाटन, जिला दुर्ग (छ.ग.), पिन-491111 से मुद्रित कर 65/1920, परशुराम नगर प्रोफेसर कालोनी, रायपुर (छ.ग.) पिन- 492001 से प्रकाशित।
संपादक :- दामोदर राव, फोन नं.-0771-4218364, मो. 9303404360, ईमेल- samaydarshanraipur@gmail.com, RNI: CHHHIN/2018/76878, डाक पंजीयन /रायपुर संभाग/63/2025-27